सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 112, नई दिल्ली, शुक्रवार, 18 फरवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 24 घंटों में महापौर चुनने के लिए जारी किए जाए आदेश
05 Hero Xoom 110 Scooter: स्कूटर की डिलीवरी हुई शुरु
08 ट्विटर ने सत्येंद्र जैन का ब्लूटिक हटाया

आज का सुविचार

"मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।"

इनसाइड

अब धर्मनगरी से लंबे रूटों पर दौड़ेंगे नई बसें

कुरुक्षेत्र। जिले में परिवहन की व्यवस्था जल्द ही दुरुस्त होगी। रोडवेज के बेड़े में जल्द ही 28 बसें कुरुक्षेत्र डिपो के बेड़े में शामिल होने जा रही हैं, इन बसों के आने से जहां परिवहन विभाग की बिगड़ी व्यवस्था को संजीवनी मिलेगी तो वहीं बसों में सफर करने वाले यात्रियों को भी राहत मिलेगी। जिसके लिए परिवहन विभाग ने एक खाका तैयार कर 28 बसों का भुगतान कंपनी को कर दिया है। जिसके तहत कंपनी ने कुछ बसों को तैयार कर रोडवेज डिपो को सौंप दिया हैं। डिपो को मिलने वाली इन 28 बसों में से पांच बसें हाल ही डिपो को मिल चुकी हैं, साथ ही जल्द दो बस और मिलने के लिए तैयार है। डिपो को मिली इन बसों में से एक बस बैजनाथ के रूट पर, तो वहीं एक बस शिमला और दो बसों को कटरा तथा एक बस को अमृतसर के रूट पर उतारा गया हैं। लंबे रूट पर जाने वाले यात्रियों की परेशानी को देखते हुए पहले इन बसों को इन रूटों पर उतारा गया है, जिससे लंबा सफर तय करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। अभी धर्मनगरी के डिपो में पांच नई बसों के आने के बाद बेड़ो में बसों की संख्या 148 हो गई है, जिनमें से 104 बसें कुरुक्षेत्र डिपो, 44 पिहोवा सब डिपो में शामिल है। 23 बसें जल्अ इस बेड़े में शामिल हो जाएंगी, जिससे बसों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इससे न केवल विभाग की आमदन बढ़ेगी बल्कि यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।

980 करोड़ से बनेगा भागलपुर-हंसडीहा फोरलेन, मंत्रालय को विभाग ने सौंपा डीपीआर

संजय बाटला

भागलपुर-भलजोर (हंसडीहा) के बीच पहले फेज में ढाका मोड़ तक फोरलेन सड़क बनाने की मंजूरी मिलने के साथ ही विभाग ने निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्य अभियंता ने गुरुवार को डीपीआर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सौंप दिया है।

भागलपुर: भागलपुर-भलजोर (हंसडीहा) के बीच पहले फेज में ढाका मोड़ तक फोरलेन सड़क बनाने की मंजूरी मिलने के साथ ही विभाग ने निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

980 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली एनएच 133ई का डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) एनएच विभाग ने प्रूफ एडिटिंग कर मुख्य अभियंता को भेज दिया था।

मुख्य अभियंता ने सौंपा डीपीआर

मुख्य अभियंता ने गुरुवार को डीपीआर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सौंप दिया है। मंत्रालय से मंजूरी मिलने के साथ टेंडर की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार भागलपुर-हंसडीहा के बीच फोरलेन का निर्माण बिहार सीमा तक होगा। पहले फेज में ढाका मोड़ तक सड़क बनेगी। वहीं, दूसरे फेज में इसका निर्माण ढाकामोड़ से बिहार सीमा तक कराया जाएगा।

भागलपुर जंक्शन पर रुपयों से भरी मिली दो अटैची

भागलपुर जंक्शन पर लगेज स्कैनिंग के दौरान रुपयों से भरी मिली दो अटैची, दो पकड़ाए, जांच में जुटा आयकर विभाग

इसके बाद झारखंड सरकार यानी, वहां के एनएच विभाग द्वारा फोरलेन का निर्माण कराया जाएगा। वर्तमान में सड़क की चौड़ाई सात मीटर है, लेकिन अब 22 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी। फोरलेन सड़क में तीन मीटर डिवाइडर, दो मीटर सोल्डर बनना है।

ढाकामोड़ के पास होगा रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण

वहीं, ढाकामोड़ के पास रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण होना है। श्याम बाजार के पास पुराने पुल को तोड़कर नये पुल का निर्माण होगा। घुमावदार टू लेन टूटे पुल को तोड़ कर सीधे फोरलेन पुल का निर्माण होना है। वहीं, भागलपुर से झारखंड सीमा के बीच 45 पुल-पुलिया व कलवर्ट बनने हैं।

इस प्रोजेक्ट में सड़क के दोनों ओर एक-एक मीटर चौड़ा फुटपाथ बनेगा। पर्यावरण की दृष्टिकोण से सड़क के दोनों ओर पौधरोपण होना है। अलकतरा-गिट्टी की सड़क बनेगी, लेकिन जहां-जहां जलजमाव की समस्या है, वहां पीक्यूसी (पेवमेंट क्वालिटी कंक्रीट) का निर्माण होगा।

अधिग्रहण के लिए जमीन हुई चिह्नित

साथ ही दो रेलवे ओवरब्रिज और टोल प्लाजा भी बनेंगे। ढाका मोड़ और पंजवारा रोड के पास रेल ओवरब्रिज का निर्माण होना है। इधर, जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के तहत श्री स्माल ए की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। अधिग्रहण की जानेवाली जमीन व मौजा को चिह्नित किया जा चुका है।

कुछ ही दिनों में श्री-कैपिटल एक की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। भू-अर्जन विभाग को एनएच विभाग से फाइल मिल गई है। कुछ जगहों में ही भू-अर्जन की कार्रवाई होगी।

जानकारी के अनुसार, 98 हेक्टेयर फोरलेन सड़क बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण होगा। एनएच विभाग के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य अभियंता के पास से भी यह मिनिस्ट्री में चला गया है।

अमरनाथ गुफा तक पहुंचेगी सड़क, चारधाम यात्रा रूट की तर्ज पर तैयार होगी रोड

एनटीवी संवाददाता

उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन ने इस महत्वपूर्ण सड़क के लिए प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली है। पूरी उम्मीद है कि इसी साल परियोजना को मंजूरी भी मिल जाएगी। यह सड़क चारधाम यात्रा रूट की तर्ज पर बनाई जा सकती है।

श्री अमरनाथ गुफा को चारधाम यात्रा रूट की तर्ज पर सड़क संपर्क से जोड़ने की योजना है। इस परियोजना को इसी साल मंजूरी मिल सकती है। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएचआईडीसीएल) ने इस महत्वपूर्ण सड़क के लिए प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली है।

इसी साल परियोजना को मंजूरी भी मिल जाएगी पूरी उम्मीद है कि इसी साल परियोजना को मंजूरी भी मिल जाएगी। यह सड़क चारधाम यात्रा रूट की तर्ज पर बनाई जा सकती है। जगती स्थित कश्मीरी विस्थापित शिविर में महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित मेले में पहुंचे एलजी ने कहा, बीते वर्ष दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ था।

प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार हो चुकी है

अमरनाथ गुफा तक आवाजाही को बेहतर करने के लिए प्रस्तावित सड़क के रूट का उन्होंने खुद दौरा किया है। यह रूट पहलगाम वाया पंजतरणी और संगम टॉप से बालटाल तक प्रस्तावित है। प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जिसे जल्द ही केंद्र से मंजूरी मिलने के लिए आश्वस्त किया गया है।

चार से पांच वर्ष में पूरी होगी परियोजना

एलजी ने कहा, अमरनाथ गुफा को सड़क से जोड़ने की परियोजना चार से पांच वर्ष में पूरी हो जाएगी। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एनएच-501 के खन्नाबल-बालटाल सेक्शन में शेषनाग टनल का काम एनएचआईडीसीएल को सौंप दिया है। निर्माण एजेंसी ने टनल निर्माण के लिए रिक्वेस्ट फार प्रपोजल मांगे हैं, जिसकी बोली प्रक्रिया 20 फरवरी को पूरी हो जाएगी।

दिल्ली की सड़कों पर एक बार फिर दौड़ेगी Hoho Bus

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली: हॉप-ऑन हॉप-ऑफ (HO HO) बसें दिल्ली की सड़कों पर वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। दिल्ली सरकार यहां जी-20 शिखर सम्मेलन की अगुवाई में उन्हें पुनर्जीवित करने की योजना बना रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तौर-तरीकों पर अभी काम करने की जरूरत है लेकिन वे लॉन्च के लिए मार्च या अप्रैल के महीने में करने की सोच रहे हैं।

अधिकारी ने कहा कि हम अभी भी सोच रहे हैं कि क्या हम इसे डीटीसी के साथ साझेदारी में लॉन्च करेंगे या एक निजी ऑपरेटर को बोर्ड पर लाएंगे जो हमारे लिए बस चला सकता है। हम योजना को फिर से शुरू करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें रखने की योजना बना रहे हैं क्योंकि यह एक सकारात्मक संदेश भेजेगा और वे आराम से

भी होगा। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में अप्रत्याशित यातायात की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पुरानी और दक्षिणी दिल्ली में स्मारकों को कवर करने वाले दो मार्गों पर बसों के चलने की संभावना है, जबकि आवृत्ति एक घंटे होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि शुरुआत में उनकी कम से कम आठ ऐसी बसें रखने की योजना है और अधिकतम संख्या 15 तक हो सकती है। हो हो बस मॉडल 2020 में कोविड के कारण ठप हो गया था और हम इसे पुनर्जीवित करने की योजना बना रहे हैं। लेकिन जब यह बंद हो गया, तब भी यह घाटे में चल रहा था। मॉडल दुनिया में टिकाऊ नहीं रहा है।

अधिकारी ने बताया कि कई चुनौतियाँ हैं - जैसे हम टिकट अधिक नहीं रख सकते हैं, फिर भी दिल्ली का यातायात अप्रत्याशित है। यदि प्रतीक्षा समय आधा घंटा है, तो कोई निश्चितता नहीं है कि यातायात की स्थिति के कारण बस वास्तव में आधे घंटे में आएगी या नहीं साथ ही, हो हो बस में सफर करने वाले ज्यादातर विदेशी होते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर आठ घंटे लंबी बस की सवारी का विचार अमल में नहीं आता है, तो वे लक्षित पर्यटन के लिए भी जा सकते हैं - जैसे कि बाजारों, विरासत स्मारकों आदि का दौरा करना और उसके लिए बसों के अलग-अलग रंग हैं। अधिकारी ने कहा कि कुछ दिनों में तौर-तरीके स्पष्ट हो जाएंगे।

दिल्ली मेट्रो की ये नई लाइन अगले साल होगी शुरू

गुरुग्राम। दिल्ली मेट्रो की रिंग मेट्रो सर्विस साल 2024 तक शुरू होगी. यह देश का पहला एकलौता रिंग मेट्रो कॉरिडोर होगा. यह सबसे लंबा भी होगा. इसकी कुल दूरी 71.15 किलोमीटर की होगी. इस कॉरिडोर को मजलिस पार्क और मौजपुर के बीच चलेगी. हालांकि, 12.55 किलोमीटर लंबा ट्रैक उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली के बीच नेटवर्क को खत्म करेगा.

कुल आठ स्टेशन होंगे : मजलिस पार्क, मौजपुर कॉरिडोर साल 2024 में पूरा होगा. इस लाइन पर कुल आठ स्टेशन मौजूद होंगे. यह ट्रिपल डेकर मेट्रो होगी. मेट्रो लाइन के नीचे एक फ्लाइवर और सड़क रहेगी. रिंग रोड मेट्रो पर, पहले से ही 36 मेट्रो स्टेशन मौजूद हैं. रिंग रोड से फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और बहादुरगढ़ से आने वाले लोगों के लिए सफर करना आसान बन जाएगा. इससे दिल्ली के लोगों के लिए रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पहुंचना भी बेहद आसान बन जाएगा. रिंग रोड लाइन पर 11 इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन मौजूद होंगे. इनमें आजादपुर, नेताजी सुभाष प्लेस, पंजाबी बाग वेस्ट, राजौरी गार्डन, दुर्गाबाई देखमुख मार्ग, दिल्ली हाट, आईएनए, लाजपत नगर, मयूर विहार फेज 1, आनंद विहार आईएसबीटी, कड़कड़डूमा और वेलकम स्टेशन शामिल होंगे.

प्रोजेक्ट में हुई देरी : दिल्ली मेट्रो के फेज 4 का काम 30 महीने की देरी से चल रहा है. ऐसा इसलिए, क्योंकि DMRC को अभी 2500 पेड़ों को काटने के लिए मंजूरी लेनी है. प्रोजेक्ट की लागत भी 15 फीसदी बढ़ गई है. इसका काम जून 2024 तक पूरा हो जाएगा. मौजूदा समय में, 58 फीसदी काम पूरा किया जा चुका है. वहीं, इसके अलावा हाल ही में नोएडा सेक्टर 142 और बोटैनिकल गार्डन मैजेंटा लाइन के बीच मेट्रो रूट के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की बैठक हुई है. इस नए रूट के लिए 8 मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित किए गए हैं. यह मेट्रो लाइन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के बराबर चलेगी. इस लाइन में एक फुट ओवर ब्रिज भी बनाया जाएगा, जो नीचे से गुजरने वाले वाहनों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा. इस लाइन के शुरू होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोग आसानी से दिल्ली पहुंच सकेंगे.

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर मंजीत शर्मा ने कहा कि नंबरों के लिए बोली लगाने की प्रक्रिया अभी भी चल रही है.

टू व्हीलर का वीआईपी नंबर, HP-99-9999 के लिए लग गई 1 करोड़ की बोली, CM तक पहुंच गया मामला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सब डिविजनल मजिस्ट्रेट चेतना खंडवाल और ट्रांसपोर्ट डायरेक्टर अनुपम कश्यप से बोली का विवरण मांगा है.

हिमाचल प्रदेश से एक अजीबोगरीब जानकारी सामने आई है, जहां एक गाड़ी नंबर के लिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की बोली लगाई गई. हिमाचल प्रदेश ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने गुरुवार (16 फरवरी) को कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से चल रही ई-नीलामी के दौरान दोपहिया वैनिटी रजिस्ट्रेशन नंबर HP 99-9999 के लिए 1.1 करोड़ रुपये की बोली मिली है. जानकारी के मुताबिक नंबर लेने का रिजर्व प्राइस 1,000 रुपये रखा गया है. जिसके लिए 26 लोगों ने आवेदन किया है.

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन नीलामी के कुछ स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जा रहे थे, जिसके बाद बाद हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सब डिविजनल मजिस्ट्रेट चेतना खंडवाल और ट्रांसपोर्ट डायरेक्टर अनुपम कश्यप से विवरण मांगा है. डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने कहा कि 'वीआईपी नंबर' के लिए बोली और बढ़ने की संभावना है. उन्होंने बताया कि HP 99 कोटखाई सब डिवीजन का आरटीओ नंबर है.

18 फरवरी को बंद हो जाएगी नीलामी

रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर मंजीत शर्मा ने कहा कि नंबरों के लिए बोली लगाने की प्रक्रिया अभी भी चल रही है. उन्होंने कहा कि नीलामी कल (18 फरवरी) को बंद हो जाएगी और तब हम इस पर कुछ कह सकेंगे. शर्मा ने कहा कि शुक्रवार (18 फरवरी) शाम 5 बजे यह बताया जाएगा कि बोली फर्जी लगी है या फिर सही में. इसके अलावा उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इसकी जांच कराने का फैसला ले सकते हैं और आगे के लिए ऑनलाइन बोली लगाने के नियमों में भी बदलाव किया जा सकता है.

नेटिजेंस में पैदा कर दिया है शक

टू-व्हीलर नंबर प्लेट के लिए इतने अधिक कोटेशन ने कुछ नेटिजेंस में शक पैदा कर दिया है. जिसमें इनकम टैक्स अधिकारियों से बोली लगाने वाले व्यक्ति की जांच करने की मांग की है. नेटिजेंस के ग्रुप ने दावा किया कि इस प्रक्रिया में एक रैकेट शामिल था और आम लोगों को नीलामी से रोकने के लिए इतनी बड़ी संख्या में बोली लगा रहा था. इंटरनेट पर सक्रिय लोग जो हर वक्त इंटरनेट या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते है उनको नेटिजेंस कहा जाता है.

इनसाइड

हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

खाने का स्वाद बढ़ाना हो या खुशबू, कसूरी मेथी का इस्तेमाल हर रसोई में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कसूरी मेथी न सिर्फ खाने का स्वाद अच्छा करती है बल्कि सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को भी ठीक करने में मदद करती हैं। आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की कौन सी 5 समस्याएं दूर होती हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद भी फायदेमंद-

ऐसी महिलाएं जो बच्चों को स्तनपान करवाती हैं उन्हें कसूरी मेथी का सेवन जरूर करना चाहिए। कसूरी मेथी में पाए जाने वाले तत्व ब्रेस्ट मिल्क को बढ़ाने में मदद करते हैं।

एनीमिया से करें बचाव-

भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं। ऐसी महिलाओं के लिए कसूरी मेथी का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। कसूरी मेथी में काफी मात्रा में आयरन मौजूद होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। शरीर में खून की कमी होने पर अपनी डाइट में कसूरी मेथी को जरूर शामिल करें।

इंफेक्शन से करें बचाव-

पेट के इंफेक्शन से बचाव करने के साथ कसूरी मेथी का सेवन हार्ट, गैसट्रिक और आंतों की समस्याएं को भी दूर रखने में मदद करता है। अगर किसी महिला को पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो वो कसूरी मेथी की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में नींबू की कुछ बूंदें डालकर इसे उबले हुए पानी के साथ लें।

हार्मोनल बदलाव करे ठीक-

महिलाओं की बॉडी में जीवनभर हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं। जिसके पीछे पीरियड्स, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि कारण जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में कसूरी मेथी का सेवन हार्मोनल बदलाव को कंट्रोल करके उससे होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज करें कंट्रोल-

खानपान में गड़बड़ी का सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ने लगता है। इसे नियंत्रित करने के लिए मेथी का प्रयोग करें। मेथी में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, जो ब्लड ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करते हैं। यह टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना को भी कम करता है।

पैरों के तलवों में छिपा है आपका भविष्य:

क्या आप जानते हैं कि पैरों की लकीरें भी हाथों की लकीरों के समान बेहद बलवान होती है। आमतौर पर आपने सुना और देखा है कि लोग अपने भविष्य को लेकर जब जब चिंतित होते हैं, तो वे तब तब उसके उपाय के लिए ज्योतिषविदों की शरण में पहुंचते हैं और अपने हाथ की रेखाओं के जरिए अपने भविष्य और वर्तमान का आकलन करते हैं। मगर इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किस प्रकार से आपके पैर भी आपके भविष्य में होने वाली घटनाओं और यहां तक की आपके व्यापार या विवाह से संबंधी कई तरह की जानकारी खुद में समेटे हुए हैं। पैर में नजर आने वाली लकीरों को आप कभी हल्के में मत लें क्योंकि कहीं न कहीं ये लकीरें ही हमारा भाग्य लिखने में सक्षम साबित होती है। तो आईए जानते है कि पैरों के तलवे किस प्रकार व्यक्ति के भविष्य की गाथा सुनाते हैं। वो लोग जिनके पैरों के तलवे एक दम सीधे या फ्लैट होते हैं और जिनके पैर सीधा जमीन की सतह को छूते हैं, वे लोग खुली विचारधारा के होते हैं। वे काम के प्रति बेहद सतर्क और परिश्रमी होते हैं। वे हमेशा अपना काम छोड़कर पहले दूसरों की मदद के लिए हर वक्त तैयार रहते है और अपने विचारों से अन्य लोगों का दिल जीतने की भी उनमें एक अनोखी प्रकार की विधा होती है। इसके अलावा इन लोगों को अपने व्यवहार और दया भावना के लिए समाज में काफी सम्मान मिलता है। अपनी अच्छी सोच की बदौलत इन्हें जीवन में खूब सफलता हासिल होती है।

बच्चे के साथ ऑफिस को मैनेज करने में होती है परेशानी 5 टिप्स करें फॉलो, आसान हो जाएगी जिंदगी

ऑफिस गोइंग वूमन के लिए काम के साथ-साथ बच्चे को संभालना काफी चैलेंजिंग टास्क होता है. ऐसे में कुछ टाइम मैनेजमेंट टिप्स आपके बेहद काम आ सकती हैं. शेड्यूल सेट करने से लेकर शॉर्टकट फॉलो करने और खुद के लिए समय निकाल कर महिलाएं ऑफिस और बच्चों को वक्त देने के साथ-साथ लाइफ को भी फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

वर्किंग वूमन के लिए घर के साथ-साथ ऑफिस संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है. खासकर घर में बच्चे होने से महिलाओं की परेशानी काफी बढ़ जाती है. ऐसे में महिलाओं को बच्चे के साथ ऑफिस को भी मैनेज करना पड़ता है. हालांकि अगर आप चाहें तो कुछ ईजी मैनेजमेंट टिप्स (Time management tips) फॉलो करके बिना किसी परेशानी के ऑफिस के साथ बच्चों का भी खास ख्याल रख सकती हैं.

ऑफिस गोइंग मदर्स अक्सर घर और काम के बीच में उलझ कर रह जाती हैं. जिसके चलते महिलाएं चिड़चिड़ेपन और तनाव का भी शिकार होने लगती हैं. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं वर्किंग वूमन के लिए कुछ टाइम मैनेजमेंट टिप्स, जिसकी मदद से आप ऑफिस में बेस्ट परफॉर्म करने के साथ-साथ परफेक्ट मदर भी बन सकती हैं.

अपना शेड्यूल बनाएं

रोजमर्रा के बिजी लाइफ में वर्किंग वूमन अक्सर ऑफिस और बच्चे से जुड़ी कुछ चीजों को मिस कर देती हैं. ऐसे में आप अपना डेली शेड्यूल प्लान करके सभी चीजों को सही तरीके से ऑर्गेनाइज कर सकती हैं. इससे आपको जल्दबाजी में तनाव भी नहीं होगा और आप आसानी से हर काम समय पर खत्म कर पाएंगी.

मल्टीटास्किंग बनें

बच्चे के साथ ऑफिस को मैनेज करने के लिए आप अपने शेड्यूल को मल्टी टास्टिंग भी बना सकती हैं. ऐसे मे किचन का काम करते समय बच्चों का होमवर्क करवाने और डेली वॉक के साथ बिजनेस कॉल अटेंड करके आप टाइम को आसानी से मैनेज कर सकती हैं.

ना कहना सीखें

अच्छी एंप्लॉइ और परफेक्ट मदर होने का मतलब ये नहीं है कि आपको हर काम खुद ही करना है. इसलिए ऑफिस में ओवर टाइम करने से लेकर बच्चों के हर काम खुद खत्म करना आपके लिए सही नहीं है. ऐसे में कुछ चीजों के लिए बेझिझक होकर ना कहना भी महिलाओं के लिए जरूरी हो जाता है.

शॉर्टकट होगा बेस्ट

ऑफिस और बच्चे के साथ टाइम मैनेजमेंट करने के लिए आप शॉर्टकट की मदद भी ले सकती हैं. ऐसे में पहले से सब्जी काटकर रखने, डिनर की प्री प्रिपरेशन करने और बर्तन धोने के लिए डिशवॉशर का इस्तेमाल करके आप घर के कामों को मिनटों में खत्म कर सकती हैं. साथ ही ऑफिस का काम जल्दी खत्म करने के लिए आप बाकी कलीग्स की हेल्प ले सकती हैं.

खुद को समय दें

बच्चे और ऑफिस के साथ-साथ महिलाओं को खुद का भी खास ख्याल रखना चाहिए. ऐसे में आप हर रोज थोड़ा समय खुद के साथ भी बिता सकती हैं. साथ ही हफ्ते में एक दिन अपनी फेवरेट हॉबी फॉलो करके आप लाइफ को फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

बच्चों की पढ़ाई को आसान बनाने वाले मेथड

कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

पढ़ने-लिखने की जब बात आती है, तो बच्चे अकसर जवाबों को रटते हुए नजर आते हैं। जहां एक तरफ टीचर्स को कोर्स खत्म करवाने की जल्दी होती है, तो वहीं बच्चे बिना किसी सवाल का मतलब समझे उसके जवाब ज्यों का त्यों रट लेते हैं, ताकि मार्क्स में कोई कमी न रहे। कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

क्या होता है पिक्टोरियल मैथड?

पिक्टोरियल (Pictorial Method) यानी किसी पिक्चर से संबंधित। अगर आप किसी सवाल के जवाब को याद करना चाहते हैं, तो उसे किसी तस्वीर से जोड़ दें या किसी अन्य घटना से जोड़ दें, ताकि आपको वो जवाब उम्र भर के लिए याद हो जाए। अगर आप इतिहास को याद करने में असमर्थ है, तो उसके विषयों को पिक्चर फार्म में याद करने की आदत डालें। जैसे अगर हमें समाज सुधारक राजा राम मोहन राय की बात करनी है, तो हम किसी राजा का चित्र बनाकर उनकी बताई शिक्षाओं को आसानी से बच्चों को याद करवा सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे।

देर तक रहता है याद

अगर मैंने एक बार किसी प्रश्न को किसी तस्वीर से जोड़ दिया, तो वो उम्र भर आपको भूल नहीं पाएगा। दरअसल ज्यादातर लोगों की पिक्चर मैमरी तेज होती है। इससे वो जब किसी चीज को एक बार देख लेते हैं, तो वो चीज उनके जहन में उतर जाती है। फिर उसे याद करना तो आसान है। साथ ही वो हमेशा के लिए हमारे माइंड में सेव भी हो जाता है।

विषय बन जाता है रोचक

अगर टीचर बोल-बोल कर किसी विषय पर जानकारी दे रहे हैं, तो कुछ देर बाद बच्चे बोर होने लगते हैं। कोई किताब में तस्वीर बनाता नजर आएगा, तो कहीं दो स्टूडेंट आपस में बात करने लगेंगे। ऐसे में अगर आप बतौर टीचर बच्चों को बोलने के साथ-साथ तस्वीर के जरिए बोर्ड पर साथ-साथ समझाने लगते हैं, इससे बच्चों में दिलचस्पी बनी रहती है। अगर हम बच्चों को इकोनॉमिक्स पढ़ा रहे हैं और रूपये की बात कर रहे हैं, तो रूपये का निशान बनाकर नीचे दो लकीरें खींच दें और उसकी दो टांगे बना दें। इस तरह से बच्चे लंबे वक्त तक अटैंटिव रहते हैं और विषय की रोचकता भी बनी रहती है।

बच्चों की इन्वाल्मेंट बढ़ती है

अब जो बच्चे पढ़ाई से हर वक्त जी चुराते हैं, वो भी पिक्टोरियल मैथड के जरिए मुश्किल सब्जेक्ट को भी आसानी से पढ़ लेते हैं और इंटरस्ट लेने लगते हैं। अब बच्चों में पढ़ाई के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होने लगती है। वे अब उस सब्जेक्ट के प्रति सजग होने लगते हैं और ज्यादा जानने की इच्छा रखने लगते हैं। इससे बच्चे का जुड़ाव किताबों की ओर बढ़ने लगता है।

विषय के प्रति जानकारी बढ़ती है

अब तक बच्चे केवल उत्तर को रट रहे थे, मगर अब तरह तरह की तस्वीरों और अलग अलग प्रकार के कार्टून करेक्टर या सिम्बल क्रिएट करके वे पढ़ाई को नए तरीके से याद रख रहे हैं। इससे आपको केवल उपरी ज्ञान नहीं बल्कि विषय के बारे में गहन जानकारी हासिल हो सकती है। अब आप विषय को सीधा देखने की बजाय उसके हर एंगल को खोजने का प्रयास करेंगे, जो आपकी पढ़ाई को आसान बना देगा और आपका ज्ञानकोष भी भर देगा। इससे हर ज्ञान के समुद्र में डुबकी लगा सकते हैं और बिना याद करने का प्रयास किए कुछ पिक्चर्स के ज़रिए चीजों को आसान बना सकते हैं।

बच्चे क्रिएटिव बनते हैं

जब हम बच्चों को पिक्टोरियल मैथड से समझाने लगते हैं, तो नदियों और नहरों से लेकर ब्रिटिश इतिहास तक हर टॉपिक बच्चों को अब आसान लगने लगता है। दरअसल, जिन चीजों को याद करने में खूब प्रयास करते थे, वे अब बच्चे धीरे-धीरे अपने आप से कटेंट से जुड़ी तस्वीर क्रिएट करने लगते हैं। जो लेसन्स को किताब के पन्नों से उठाकर सीधा दिमाग में सेव कर देते हैं। इस तरह बच्चों का पढ़ाई से भी जुड़ाव बढ़ने लगता है और उन्हें हर विषय आसानी से याद हो जाता है। इसके अलावा ये तकनीक बच्चों को क्रिएटिव भी बनाती है। वे चीजों को एक दूसरे से इंटरलिक करने लगते है, जिससे बच्चों में ज्ञान में अपार वृद्धि होती है।

बच्चों में डिप्रेशन की समस्या हो जाएगी छू मंतर

अधिकतर ऑनलाइन कक्षाओं में बच्चों को विषयों के बारे में अलग-अलग ढंग से जानकारी देने की कोशिश की जाती है। इसमें से सबसे लोकप्रिय तकनीक है पिक्टोरियल। अगर हम बच्चों की स्कूल की किताबें उठाकर देखें, तो हर चैप्टर में मात्र एक से दो पिक्चर बनी हुई नजर आती है। मगर जैसे-जैसे क्लासिस बढ़ती चली जाती है, वैसे-वैसे पिक्चर का चलन बुक में से खत्म हो जाता है। जो पढ़ाई को बोरिंग बना देता है। बचपन की किताबों में तस्वीरें रंगबिरंगी नजर आती है और उसके बाद किताबें मोटी होती जाती है, तस्वीर भी रंगहीन हो जाती है। धीरे-धीरे बच्चों का मन पढ़ाई से ऊब जाता है। हम जब बच्चों को पढ़ाई की तरफ दोबारा मोड़ना चाहते हैं, तो कई बार ऑनलाइन क्लासिस का सहारा लेते है, जिससे बच्चे दोबारा उसी जोश के साथ पढ़ाई करने लगते हैं।

बच्चों को पढ़ाई के लिए हर बार मजबूर करना पेरेंटस और बच्चे के आपसी रिश्ते को कमजोर बना देता है। बेशक, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई जरूरी है, मगर पहले हमें उनके स्तर और जरूरतों को समझना होगा, ताकि आसानी से वे अपनी हर बात आपसे शेयर कर सकें।

कुछ सामान्य लक्षण जो 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में होते हैं कॉमन, आप भी दें ध्यान

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यदि इसका समय रहते इलाज शुरू ना किया जाए तो कई गंभीर मामलों में व्यक्ति की जान चली जाती है. बॉडी में ट्यूमर सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ सिर्फ एक बॉडी पार्ट के लिए नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी बन सकती है. कैंसर के कुछ ऐसे प्रकार हैं, जो सिर्फ महिलाओं को इनफेक्ट कर सकते हैं. ऐसे में महिलाओं में कैंसर की समस्या ज्यादा खतरनाक हो सकती है. ओवरीज, कोख या वेजाइना जैसे फीमेल रिप्रोडक्टिव पार्ट्स पर असर करने वाले ये गाइनेकोलॉजिकल कैंसर ढेरों बड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं. सही समाधान के लिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर, सही इलाज कराना जरूरी है. दवाइयों के साथ सही ट्रीटमेंट की मदद से इन परेशानियों से निजात पाई जा सकती है. आइए जानते हैं 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में कौन से आम लक्षण देखे जाते हैं:

एमडैंडरसन डॉट ओआरजी के अनुसार, वुलवर कैंसर के अलावा सभी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में ब्लीडिंग की समस्या देखने को मिलती है. वेजाइना से किसी भी तरह के डिस्चार्ज या ब्लीडिंग को नजरंदाज करना घातक साबित हो सकता है. पेट दर्द के साथ ही कमर दर्द भी किसी बड़े खतरे की दस्तक हो सकती है. ऐसे में सही समय डॉक्टर से परामर्श अवश्य ले लें.

-बार-बार पेशाब आना किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा हो सकता है. लगातार टॉयलेट जाने की शिकायत कैंसर के साथ ही अन्य परेशानियों का भी लक्षण हो सकती है. ऐसे में जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह करा लें.

-वेजाइना या दूसरे रिप्रोडक्टिव पार्ट्स में खुजली, जलन और ज्यादा सेंसटिविटी कैंसर का लक्षण हो सकती है. इन्फेक्शन में भी ऐसे लक्षण देखे जा सकते हैं, ऐसे में इन्हें इग्नोर करने का रिस्क लेने से बचें.

-सेक्स के दौरान या बाद में ज्यादा असामान्य दर्द महसूस होने पर जरूरी टेस्ट अवश्य करा लें. ये दर्द गाइनेकोलॉजिकल कैंसर के शुरुवाती लक्षणों में शुमार है.

-पेडू या पेल्विक एरिया में दर्द होना कैंसर की ओर संकेत करता है. बार-बार इस तरह का दर्द होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखा लें नहीं तो समस्या के गंभीर होने की संभावना बढ़ जाती है.

-खाना खाने में असहजता, पेट जल्दी भर जाना, भूख कम लगना या सूजन भी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर का संकेत हो सकता है. ऐसे में घबराने की जगह सही उपचार का ख्याल करें.

ब्रीफ न्यूज

कार पार्किंग को लेकर बाप-बेटे को मारी गोली, अस्पताल में भर्ती; दोनों की हालत नाजुक

कार पार्किंग को लेकर दबंगों ने बाप-बेटे को गोली मार दी। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

नई दिल्ली। दिल्ली के भजनपुरा इलाके में कल रात पार्किंग विवाद में पड़ोसी ने पिता-पुत्र को गोली मार दी। लोगों ने गोली मारने वाले आरिफ को मौके से पकड़ लिया। घायल वीरेंद्र अग्रवाल व उनके बेटे सचिन को पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। भजनपुरा थाना पुलिस हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। वीरेंद्र अपने परिवार के साथ यमुना विहार में रहते हैं। उनके पड़ोस में फुरकान रहता है, जिसके घर में आरिफ किराये पर रहता है। वीरेंद्र कल रात को अपने बेटे के साथ शादी में गए थे। रात करीब एक बजे दोनों शादी से घर लौटे। आरिफ ने अपनी कार बीच में खड़ी की थी। आरोप है जब पीड़ति ने कार हटाने के लिए कहा तो आरिफ भड़क गया और उसने पिस्टल निकालकर गोलियां बरसा दी। दो गोली वीरेंद्र व एक बेटे को लगी है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर पुलिस जांच में जुटी है।

बच सकती थी निक्की की जान, अगर साहिल की इन बातों को न किया होता नजरअंदाज

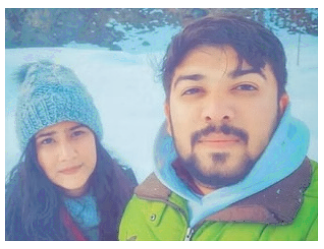

नई दिल्ली। दिल्ली की श्रद्धा हत्याकांड जैसा एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस बार दिल्ली के साहिल गहलोत ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव को फ्रीज में बंद करके खुद दूसरी लड़की शादी भी कर ली। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। ये पहला मामला नहीं है, जब प्यार के रिश्तों का अंत इतना दर्दनाक हो रहा है। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जब प्रेमी या प्रेमिका एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए हों। ऐसे में हमने मनोवैज्ञानिक डॉ. हेमा खन्ना से इस बारे में बात की। उन्होंने इस पूरे मसले को समझा और बताया कि आखिर निक्की से कहां चूक हो गई, जिसका खामियाजा उसे अपनी जान गंवाकर भुगतना पड़ा। डॉ. खन्ना ने ये भी बताया कि रिलेशनशिप में किनबातों को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए...

पहले जान लीजिए पूरा मामला

यह कहानी है निक्की यादव और साहिल गहलोत की। 2018 में एक कोचिंग सेंटर में दोनों मिले फिर एक ही बस में सफर के दौरान दोस्ती हुई। ये दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली जो लिव-इन तक गई। दो साल तक लिव-इन में रहने के बाद जब बात शादी तक पहुंची तो साहिल ने अपने कदम खींच लिए। परिवार की सहमति से जब लड़का कहीं और शादी करने लगा तो लड़की ने उस पर दबाव बनाना शुरू किया। लड़के की सगाई वाले दिन वह अपनी प्रेमिका से मिलने गया और कई घंटे की बहस के बाद प्रेमी ने प्रेमिका का चार्जिंग वायर से गला घोंटकर हत्या कर दी।

घटना वाले दिन क्या-क्या हुआ?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निक्की को जब नौ फरवरी की रात को पता लगा कि साहिल की सगाई हो गई है तो वह उसे फोन करने लगी। इसके बाद दोनों रात एक बजे मिले। दोनों गोवा भागना चाहते थे। जब साहिल को गोवा की टिकट नहीं मिली तो दोनों ने उत्तराखंड या हिमाचल जाने का प्लान किया जिसके लिए वह पहले आनंद विहार फिर कश्मीरी गेट आईएसबीटी पर पहुंचे। इतने में साहिल के परिजनों के फोन आने लग गए। परिजन तुरंत घर आने के लिए साहिल पर दवाब बनाने लगे। साहिल घर जाने लगा तो निक्की उससे झगड़ा करने लगी। बहस इतनी बढ़ी कि साहिल ने आपा खो दिया और केबल से निक्की की गला दबाकर हत्या कर दी।

इसके बाद शव को चालक के साथ वाली आगे की सीट पर बैठने की मुद्रा में लिटा दिया। इसके बाद सीट बेल्ट लगाई और 40 किलोमीटर कार चलाकर ढाबे पर ले गया। जहां, उसने फ्रीज में उसके शव को रख दिया। साहिल ने शादी के बाद निक्की के शव को नाले में फेंकने या फिर सूटकेस में रखकर दिल्ली से बाहर फेंकने की साजिश रची।

दिल्ली के लॉरेंस रोड स्थित फैक्ट्री के बेसमेंट में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंची दमकल की 20 गाड़ियां

केशवपुरम औद्योगिक क्षेत्र स्थित लॉरेंड रोड पर मौजूद गोदाम में भीषण आग लग गई है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 20 गाड़ियां मौजूद है। हालांकि अभी इस घटना में किसी भी हताहात की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित लॉरेंस रोड इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री के बेसमेंट में भीषण आग लगने की जानकारी सामने आई है। गोदाम में आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की 20 गाड़ियां पहुंच गई हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, केशवपुरम औद्योगिक क्षेत्र स्थित लॉरेंड रोड पर मौजूद गोदाम में लगी आग पर दमकल की कर्मियों में काबू पा लिया है। हालांकि अभी इस घटना में किसी भी हताहात की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

24 घंटों में महापौर चुनने के लिए जारी किए जाए आदेश, मेयर चुनाव पर SC का फैसला

आम आदमी पार्टी की ओर से दिल्ली महापौर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेयर के चुनाव और MCD की पहली बैठक के लिए नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह नोटिस 24 घंटे के भीतर जारी किया जाए।

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेयर के चुनाव और MCD की पहली बैठक के लिए नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह नोटिस 24 घंटे के भीतर ही जारी किया जाए। बता दें कि इस नोटिस में तारीख का उल्लेख करना भी जरूरी है, जिस दिन मेयर पद का चुनाव होना है।

केजरीवाल ने बीजेपी पर साधा निशाना

चुनाव को लेकर अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि SC का आदेश जनतंत्र की जीत है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद करते हुए ट्वीट में लिखा कि ढाई महीने बाद अब दिल्ली को मेयर मिलेगा। साथ ही केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला भी किया है। केजरीवाल ने कहा कि अब ये साबित हो गया है कि LG और BJP मिलकर आये दिन दिल्ली में गैरकानूनी और असंवैधानिक आदेश पारित करते हैं।

शैली ओबेरॉय ने दायर की थी याचिका

दिल्ली मेयर चुनाव में हो रही देरी को लेकर आम आदमी पार्टी की ओर से दिल्ली महापौर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि MCD मेयर चुवाव में मनोनीत पार्षद वोट नहीं कर सकते हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही फैसला सुना दिया था कि मनोनित सदस्य वोट नहीं डाल पाएंगे।

यमुना की सफाई को लेकर BJP ने AAP पर किया हमला, सचदेवा बोले- NGT को आप से वसूलना चाहिए जुर्माना

एनटीवी संवाददाता

यमुना में बढ़ रहे प्रदूषण व कचरा प्रबंधन सही तरह से नहीं होने के कारण राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा दिल्ली सरकार पर 61 सौ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसे लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा है।

नई दिल्ली। यमुना में बढ़ रहे प्रदूषण व कचरा प्रबंधन सही तरह से नहीं होने के कारण राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा दिल्ली सरकार पर 61 सौ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसे लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा है। भाजपा ने जुर्माना की राशि आप के खजाने से वसूलने की मांग की है।

वीरेंद्र सचदेवा ने किया हमला

दिल्ली प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि एनजीटी ने यमुना में प्रदूषण को आपातकालीन जैसी स्थिति बताया है। आठ वर्षों से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सिर्फ झूठे वादे व दावे करते हुए हरियाणा सरकार को दोषी ठहराते रहे हैं। अब एनजीटी ने स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा में यमुना साफ है और दिल्ली में प्रवेश करने के बाद इसकी स्थिति खराब हो गई है।

प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि दिल्ली के 35 में से 23 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) मानक पर खरे नहीं उतरते हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में भी एनजीटी ने दिल्ली सरकार पर नौ सौ करोड़ का जुर्माना लगाया गया था, जिसे जमा नहीं किया गया। संवैधानिक संस्था से विवाद आप की पुरानी आदत है। सरकार की लापरवाही के कारण अब जुर्माना की मार दिल्लीवासियों पर पड़ेगी। मुख्यमंत्री को राजनीतिक बयानबाजी बंद कर दिल्ली के विकास पर ध्यान देना चाहिए। यहां प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। यदि केंद्र सरकार ईस्टर्न व वेस्टर्न पेरिफेरल सड़कें नहीं बनाती, इलेक्ट्रिक बसें नहीं देती तो आज दिल्ली की स्थिति और खराब होती।

रामवीर बिधूड़ी ने भी लगाए आरोप

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार की दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की रिपोर्ट के अनुसार भी यमुना आठ वर्षों में दो सौ प्रतिषद ज्यादा दूषित हो गई है। इस मामले को विधानसभा में नहीं उठाने दिया गया। उन्होंने कहा कि एनजीटी द्वारा दिल्ली सरकार पर अबतक सात हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह राशि आम आदमी पार्टी से वसूला जाना चाहिए न कि दिल्लीवासियों के टैक्स से। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने यमुना की सफाई के लिए दिल्ली सरकार को ढाई हजार करोड़ रुपये दिए हैं। इसके खर्च का विवरण मांगने पर भी दिल्ली सरकार नहीं दे रही है।

इंस्टाग्राम पर पुलिस को चुनौती देकर लाइव वारदात करते थे नाबालिग, मकोका, 302-307 नाम से बना रखी थी आईडी

एनटीवी संवाददाता

नाबालिग आरोपी के बालिग होने में सिर्फ 18 दिन बचे हैं। नाबालिग आरोपी पांच मार्च को बालिग हो जाएगा। बताया जा रहा है कि आरोपी छोटी-छोटी बात पर लोगों को गोली मार देते थे।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक ऐसे नाबालिग को पकड़ा है जो अपने पर मुकदमा करवाने के लिए वारदात करता था। नाबालिग के गिरोह में कई नाबालिग व बालिग हैं। ये जिस केस में बंद होना चाहते थे उसी हिसाब से अपना इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी बनाते थे। कोई मकोका में बंद होना चाहता था, कोई 307 में कोई 302 में। इन्होंने मकोका, 302 व 307 के नाम से आईडी बना रखी थी।

खास बात यह है कि ये वारदात करने से एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर लाइव आकर खुलेआम बताते थे कि अगले दिन वहां वारदात करने जा रहे हैं और पुलिस व पूरे सिस्टम को चैलेंज करते थे।

पुलिस को चैलेंज करने के बाद अगले दिन वारदात कर भी देते थे। अभी इन्होंने दो दिन पहले एक व्यक्ति की हत्या करने का लाइव किया था, हालांकि पुलिस ने नाबालिग को टाइम से पकड़ लिया इसलिए उस व्यक्ति की हत्या होने से बच गई।

नाबालिग आरोपी के बालिग होने में सिर्फ 18 दिन बचे हैं। नाबालिग आरोपी पांच मार्च को बालिग हो जाएगा। बताया जा रहा है कि आरोपी छोटी-छोटी बात पर लोगों को गोली मार देते थे। पिछले कुछ दिनों में इन्होंने इंस्टाग्राम पर लाइव कर ताबड़तोड़ वारदात की है। दूसरी खास बात यह है कि यह बॉलीवुड मूवी माया भाई और शूटआउट एट लोखंडवाला से प्रभावित थे।

स्कूल बस की टक्कर से ऑटो सवार एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत, पांच घायल

शुक्रवार सुबह हुआ ये हादसा रसुलपुर रोड स्थित गांव होशंगाबाद के पास हुआ है। परिवार गांव असावटा में आयोजित शादी समारोह से लौट रहा था। मृतक गांव सुल्तानपुर के रहने वाले हैं। पलवल में शुक्रवार सुबह स्कूल बस की टक्कर से ऑटो सवार एक ही परिवार के पांच सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं इस हादसे में पांच गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ये हादसा रसुलपुर रोड स्थित गांव होशंगाबाद के पास हुआ है। परिवार गांव असावटा में आयोजित शादी समारोह से लौट रहा था। मृतक गांव सुल्तानपुर के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो को तेज झटका लगा और उसमें सवार 10 लोग इधर-उधर गिर गए। इनमें से पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में प्रमोद(25), मोहरपाल(30) ऑटो चालक, अंजलि(17), चारुल(14), यशिका(7) शामिल हैं। वहीं राजकुमारी, सुमन, दीपिका, महक और मोनिका गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना सुबह 7.30 से 8.00 बजे के बीच हुई। हादसे के वक्त बस काफी तेजी से आ रही थी और उसने सामने से ऑटो को जोरदार टक्कर मारी जिसमें ऑटो पलट गया। घटना के बाद घायलों से मिलने के लिए पलवल के विधायक दीपक मंगला जिला नागरिक अस्पताल पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। इसके साथ ही पूर्व मंत्री करण दलाल भी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले।

पार्वती ने बचाई शिव की जान: पत्नी ने पति को दान किया लीवर, ब्लड ग्रुप न मिलने के बावजूद सफल लीवर ट्रांसप्लांट

डॉ. जयश्री सूद ने कहा कि करीब 12 घंटों तक चली सर्जरी के बाद सफल ट्रांसप्लांट हो सका। सर्जरी के बाद शिव ने कहा कि सच्चे अर्थों में मेरी पत्नी ने मेरी जान बचाने में देवी पार्वती की वास्तविक भूमिका निभाई है। मैं जीवन भर उनका ऋणी हूं। यह मेरे लिए सबसे अच्छा तोहफा है।

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि से पहले सर गंगा राम अस्पताल में पार्वती ने शिव को लीवर देकर जान बचाई। करीब छह माह से 29 साल का पति शिव लीवर सिरोसिस से पीड़ित था। उपचार के दौरान भाई-बहन का ब्लड ग्रुप भी शिव से मेल नहीं हो रहा था। पत्नी पार्वती शिव को बचाने के लिए अपना लीवर दान करने को तैयार थी, लेकिन उनका ब्लड ग्रुप ए पॉजिटिव था। उपयुक्त डोनर न मिलने से परिवार परेशान हो गया। इसे देखते हुए डॉक्टरों ने परिवार को ब्लड ग्रुप इनकम्पैटिबल लीवर ट्रांसप्लांटेशन की सलाह दी गई। शिव छह लोगों के परिवार के लिए एकमात्र कमाने वाला है।

इस बारे में सीनियर सर्जन डॉ. नैमिष मेहता ने बताया कि करीब छह माह पहले शिव को पत्नी ने बिस्तर पर बेहोश पाया। तुरंत उपचार के लिए बिहार में घर के नजदीक के अस्पताल लेकर गई। यहां जांच में गंभीर बीमारी पाई गई। स्थिति बिगड़ी देख परिवार ने शिव को नई दिल्ली के कई अस्पतालों में इलाज के लिए दिखाया। उसकी बीमारी का मूल्यांकन किया गया और उन्हें पीलिया और कुगुलोपैथी (रक्तस्राव की संभावना में वृद्धि) से पीड़ित पाया गया। सर गंगा राम में जांच में पाया गया कि शिव लीवर सिरोसिस से पीड़ित है। उसका लीवर फेल हो गया। जिस कारण उसे हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी हो गई। उन्हें लीवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई और परिवार से एक उपयुक्त डोनर की तलाश करने को कहा गया।

डॉ. मेहता ने कहा कि जांच के दौरान शिव का ब्लड ग्रुप भाई- बहन या पत्नी से मेल नहीं हो रहा था। बाद में पार्वती ने अपने लीवर का हिस्सा 'ए+वी' रक्त समूह के साथ दान किया। वहीं डॉ. जयश्री सूद ने कहा कि करीब 12 घंटों तक चली सर्जरी के बाद सफल ट्रांसप्लांट हो सका। सर्जरी के बाद शिव ने कहा कि सच्चे अर्थों में मेरी पत्नी ने मेरी जान बचाने में देवी पार्वती की वास्तविक भूमिका निभाई है। मैं जीवन भर उनका ऋणी हूं। यह मेरे लिए सबसे अच्छा तोहफा है।

क्या उत्तर प्रदेश बदलेगा भारत का भाग्य

एनटीवी न्यूज

क्या भारत की प्रगति, बिना उत्तर प्रदेश के विकास के संभव है? जनसंख्या के संदर्भ में विश्व के पांचवें सबसे बड़े देश से अधिक आबादी उत्तर प्रदेश में बसती है। जब भारत का संकल्प वित्त वर्ष 2024-25 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का है, तो क्या यह कई अर्थों में विशाल राज्य-उत्तर प्रदेश द्वारा निर्णायक छलांग लगाए बिना मुमकिन है? प्रदेश के हालिया घटनाक्रम को देखें और वर्तमान विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था के साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति से परिपूर्ण नीतियों का ईमानदार आकलन करें, तो उत्तर प्रदेश का भविष्य उज्ज्वल लगता है।

गत 12 फरवरी को लखनऊ में तीन दिवसीय 'उत्तरप्रदेश ग्लोबल इन्वैस्टर्स समिट' (यू.पी.जी. आई.एस.) संपन्न हुआ। इसमें प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने देश-दुनिया से 33 लाख 50 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने का दावा किया है, जिससे 93 लाख रोजगार का सृजन होने का भी अनुमान है। इसके लिए 19 हजार से अधिक समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए हैं। निवेशकों ने इस बार भी जहां नोएडा, गाजियाबाद से सुसज्जित पश्चिमांचल क्षेत्र में सर्वाधिक रुचि दिखाई है, तो उन्होंने विकास के मामले में दशकों तक पिछड़े रहे पूर्वांचल और बुंदेलखंड में भी क्रमशः 9.54 लाख करोड़ रुपए और 4.28 लाख करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव दिया है।

यह सब एकाएक नहीं हुआ है। वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश कई सुखद परिवर्तनों से गुजर रहा है। वर्तमान उत्तर प्रदेश साढ़े 21 लाख करोड़ रुपयों के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के साथ देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वित्त.वर्ष 2015-16 में यह 11 लाख करोड़ करोड़ रुपए, तो वित्त वर्ष 2016-17 में साढ़े 12 लाख करोड़ रुपए थी। यही नहीं, 2016-17 में प्रदेश का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपए था, जो 2021-22 में बढ़ कर एक लाख 56 हजार करोड़ रुपए हो गया है।

जब से प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आई है, सुशासन, आधारभूत ढांचे का विकास और नीतिगत सुधार- उत्तर प्रदेश का भाग्य बदलने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। इसमें व्यावहारिक नीतियां, धरातल पर उसका क्रियान्वन, भ्रष्टाचार मुक्त शीर्ष नेतृत्व, कड़ी कानून व्यवस्था और निवेशकों की सुरक्षा का प्रभावी प्रबंधन, स्पष्ट रूप से प्रत्यक्ष है। मोदी सरकार की 'रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्म' ('सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन') रूपी आर्थिक दृष्टिकोण के अनुरूप, योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को औद्योगिक निवेश का गढ़ बनाने हेतु 25 से अधिक निवेश-आकर्षक नीतियां लागू की हैं, जिनमें पर्यटन, कपड़ा, 'लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम' (एम.एस.एम.ई.), विद्युत वाहन, रक्षा और आई.टी. आई.टी.ई.एस. आदि शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा संजाल (लगभग 9,000 किलोमीटर) होने के साथ 13 चालू और निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, जिसकी कुल लंबाई लगभग 3,200 किलोमीटर है। यहां अधिकतर राजमार्गों को आपातकालीन स्थिति में भारतीय लड़ाकू जहाजों के परिसंचालन हेतु बनाया गया है। उत्तर प्रदेश, देश का ऐसा एकमात्र राज्य है, जहां आने वाले समय में पांच अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे होंगे। क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत, सात अन्य घरेलू हवाई अड्डे चालू हो चुके हैं, तो 8 निर्माणाधीन हैं। प्रयागराज और वाराणसी रूपी प्रमुख निर्यात केंद्रों को पश्चिम बंगाल में हल्दिया बंदरगाह से जोडने वाला भारत का पहला अंतर्देशीय जलमार्ग भी निर्माणाधीन है।

यू.पी.जी.आई.एस. से पहले, योगी सरकार स्वतंत्र भारत की पहली ऐसी सरकार है, जिसके प्रतिनिधियों ने वैश्विक उद्योग जगत को आमंत्रित करने के उद्देश्य से 16 देशों के 21 नगरों का दौरा किया था। इस दौरान योगी सरकार को 7 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव के एम.ओ.यू. प्राप्त हुए। निःसंदेह, इस प्रकार के भारी निवेश उत्तर प्रदेश ही नहीं, अपितु शेष भारत के लिए भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है। यक्ष प्रश्न है कि जो प्रदेश, जो कुछ वर्ष पहले तक 'बीमारू राज्य' और 'अपराध की राजधानी' जैसी नकारात्मक संज्ञाओं से परिभाषित था-वहां एकाएक व्यापक परिवर्तन कैसे आ गया? इसका बहुत बड़ा कारण योगी सरकार की अपराध और अराजकता विरोधी नीति-कानूनों में निहित है। यदि उत्तरप्रदेश में पहले की भांति कानून-व्यवस्था भंग होती या जानमाल पर खतरे की आशंका बनी रहती, तो क्या यहां कोई उद्योगपति लाखों-करोड़ रुपयों का निवेश करना पसंद करता?

लूटपाट-चोरी के साथ महिला-बाल अपराध की घटनाओं में लगातार कमी आ रही है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2021 में देश में कुल अपराधों में उत्तर प्रदेश का स्थान 23वां है। मजहबी-जातिगत भेदभाव किए बिना हजारों अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए उनकी सैंकड़ों-हजार करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति कुर्क की गई है, तो उनकी अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर भी चला है। बिना किसी बल प्रयोग और बिना किसी विरोध-प्रदर्शन के विभिन्न धार्मिक स्थलों (मंदिर-मस्जिद आदि) में लगे सवा लाख लाऊड स्पीकरों पर कार्रवाई तक कर दी गई। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश पुलिस बल की संख्या 1.92 लाख थी, तो वर्तमान में बढ़कर 3.52 लाख हो गई है।

ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों से सुसज्जित उत्तर प्रदेश उपजाऊ भूमि, प्राकृतिक संपदा, देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति और विशेष भौगोलिकता के मामले में धनवान रहा है। तब भी इन राज्यों को 'बीमारू राज्य' बनाने में वे विभाजनकारी मजहबी-जातिगत तत्व जिम्मेदार रहे, जिन्होंने दशकों तक सत्ता-अधिष्ठान के आशीर्वाद के साथ भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं की सांठ-गांठ से अपराध को संगठित व्यापार बनाए रखा। पहली बार उत्तर प्रदेश इन विकृतियों से मुक्त नजर आ रहा है।

-बलबीर पुंज

ब्रीफ न्यूज

हाईस्कूल में 1476 और इंटर में 1440 ने छोड़ी हिंदी की परीक्षा

गाजियाबाद। हिंदी के पेपर के साथ यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा बृहस्पतिवार को शुरू हो गई। हिंदी के साथ सैन्य विज्ञान के आसान पेपर ने विद्यार्थियों को खुश होने का पूरा मौका दिया। आसान पेपर केबावजूद हाईस्कूल में 1476 और इंटरमीडिएट में 1440 परीक्षार्थियों ने पेपर छोड़ दिया। बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर कड़ी निगरानी के साथ केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। पहले दिन परीक्षा में कोई भी नकलची नहीं पकड़ा गया।

यूपी बोर्ड में 66 केंद्रों पर सुबह आठ से सवा ग्यारह बजे की पाली में हाईस्कूल हिंदी के पेपर से परीक्षाओं का विधिवत आगाज हो गया। हाईस्कूल में 28419 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 26943 छात्र-छात्राएं हिंदी की परीक्षा में शामिल हुए। वहीं दोपहर दो बजे से सवा पांच बजे की पाली में हुई इंटर हिंदी की परीक्षा में पंजीकृत 24149 में से 22709 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। सुबह से ही केंद्रों पर विद्यार्थियों के साथ परिजनों की भीड़ देखने को मिली। बोर्ड के दिशानिर्देशों का पालन करने केबाद ही केंद्रों पर छात्र-छात्राओं को प्रवेश मिल सका।

सचल दस्ते, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट रहे तैनात

नकल विहीन परीक्षाएं कराने और निगरानी के लिए प्रशासनिक स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए गए। सुरक्षा के मद्देनजर सभी 66 केंद्रों पर पुलिस बल तैनात नजर आया। विभागीय स्तर पर बनाए गए पांच सचल दस्तों की ओर से विभिन्न केंद्रों का दिनभर औचक निरीक्षण किया गया। हर केंद्र पर एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट ने व्यवस्थाओं को परखा। वहीं 12 जोनल और 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट ने निरीक्षण के जरिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बाह्य केंद्र व्यवस्थापकों ने बोर्ड के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया। केंद्र पर बगैर चेकिंग के किसी विद्यार्थी को प्रवेश नहीं मिल सका।

सीसीटीवी कैमरे के सामने खोला गया प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र की सुरक्षा को लेकर इस बार रात्रि में भी पुलिसकर्मी तैनात रहे। गुरूवार को परीक्षा शुरू हुई तो प्रश्नपत्र सीसीटीवी कैमरे के सामने परीक्षा केंद्र के व्यवस्थापक, बाहय केंद्र व्यवस्थापक व स्टेटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में खोला गया।

हुई वेब कास्टिंग, सीसीटीवी से हुई निगरानी

यूपी बोर्ड परीक्षाओं की शासन स्तर से निगरानी की गई। परीक्षा की इस बार भी वेबकास्टिंग की गई। सभी केंद्रों में लगाए गए आवाज रिकॉर्ड करने वाले डबल सीसीटीवी कैमरा के जरिए नजर रखी गई। विभागीय स्तर पर स्थापित किए गए कंट्रोल रूम से भी केंद्रों की निगरानी की गई।

उम्मीद से आसान आया पेपर

बाल जगत इंटर कॉलेज के हाईस्कूल के छात्र नितिन ने बताया कि पेपर उम्मीद से आसान आया। तय समयसीमा से कुछ देर पहले पेपर को हल कर लिया।

आसान पेपर से तनाव हुआ दूर

महर्षि दयानंद विद्यापीठ की हाईस्कूल की छात्रा शहरीन ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के पहले पेपर के लिए तनाव था। लेकिन हिंदी के आसान पेपर ने राहत दी।

बिजनेसमैन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, स्वीफ्ट में मिला शव, मुंह से निकल रहा था झाग

शव इंदिरापुरम थाना के वैशाली सेक्टर-6 आरोग्य हॉस्पिटल के सामने स्विफ्ट के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों मिला। पुलिस का कहना है कि युवक के मुंह से झाग निकल रहा था।

गाजियाबाद। इंदिरानगर थाना क्षेत्र के वैशाली सेक्टर छह स्थित आरोग्य हॉस्पिटल के सामने स्विफ्ट के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिला है। युवक के मुंह से झाग निकल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक कलह से परेशान होकर युवक ने जहरील खा लिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद वसुंधरा सेक्टर 13 निवासी हर्षवर्धन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव इंदिरापुरम थाना के वैशाली सेक्टर-6 आरोग्य हॉस्पिटल के सामने स्विफ्ट के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों मिला। पुलिस का कहना है कि युवक के मुंह से झाग निकल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक कलह से परेशान होकर युवक ने कुछ खा लिया।

इसके बाद अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई है। युवक अपने घर से रात आठ बजे निकला था। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वह मूल रुप से उत्तराखंड के करणप्रयाग रतौड़ा के रहने वाले थे।

कांवड़ लेने आए दो युवक गंगा में डूबे, एक को बचाया

अलीगढ़ जिले के गांव थाना रामपुर गांव निवासी 20 वर्षीय आकाश और 22 वर्षीय नरेश अपने गांव के अन्य श्रद्धालुओं के साथ अनूपशहर आज दोपहर कावड़ लेने के लिए आए थे।

अनूपशहर के बबस्टरगंज गंगा घाट पर कावड़ लेने के लिए आए दो युवक गंगा स्नान के दौरान डूब गए। जिनमें से गोताखोर ने एक युवक को सकुशल निकाल लिया। जबकि, दूसरे युवक की तलाश की जा रही है।

अलीगढ़ जिले के गांव थाना रामपुर गांव निवासी 20 वर्षीय आकाश और 22 वर्षीय नरेश अपने गांव के अन्य श्रद्धालुओं के साथ अनूपशहर आज दोपहर कावड़ लेने के लिए आए थे।

कस्बे के बस स्टैंड घाट के सामने स्नान करने के दौरान दोनों युवक गंगा में बने एक गड्ढे में डूब गए। युवकों को गंगा में डूबता देख मौके पर मौजूद गोताखोरों ने तत्परता दिखाते हुए नरेश को तो निकालने में कामयाबी हासिल कर ली। जबकि, दूसरे युवक की तलाश में गोताखोर जुटे हुए हैं। मौके पर एसपी देहात बीबी चौरसिया, एसडीएम गजेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद है।

30 हजार से अधिक लोगों को जीवनदान देकर भारत लौटी NDRF टीम, हुआ जबरदस्त स्वागत

एनटीवी

एनडीआरएफ के जवान हिंडन एयरपोर्ट से वायु सेना के अधिकारियों से मुखातिब होने के बाद गोविंदपुरम स्थित बटालियन के लिए रवाना हो गए।

गाजियाबाद। तुर्की में भूकंप के बाद लोगों को एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन के जवानों ने अपने साहसी कार्यों से दूसरा जीवनदान दिलाया। तुर्की में 30,000 से अधिक लोगों को मलबे से बाहर सकुशल निकालने के बाद एनडीआरएफ के जवान शुक्रवार को वतन लौट आए हैं।

एनडीआरएफ के जवानों का हिंडन एयरफोर्स में हवाई पट्टी पर एनडीआरएफ के आला अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। एनडीआरएफ जवानों का पहला c-17 ग्लोबमास्टर विमान सुबह 9:00 बजे हिंडन एयरपोर्ट पहुंचा था।

यहां पर एयरफ़ोर्स के अधिकारियों ने भी एनडीआरएफ को ऑपरेशन दोस्त सफल बनाने पर बधाई दी। एनडीआरएफ के जवान यहां से वायु सेना के अधिकारियों से मुखातिब होने के बाद गोविंदपुरम स्थित बटालियन के लिए रवाना हो गए।

प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन फिर भी नहीं मिल रहे चिकित्सक

गाजियाबाद। उत्तर भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान में उद्घाटन के सवा दो महीने के बाद भी अस्पताल में न तो चिकित्सक तैनात हो सके हैं और न ही मरीजों को भर्ती करने की सुविधा ही मिल पा रही है। यह हाल तब है जब इस संस्थान का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया है। संस्थान में 50 करोड़ की लागत से लैब बनी है लेकिन स्टाफ न होने की वजह से जांच शुरू नहीं हो पाई है।

10 एकड़ जमीन पर 382 करोड़ की लागत से बने संस्थान का उद्घाटन 11 दिसंबर- 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उस दिन से इलाज कराने के लिए लगातार मरीज बढ़ते जा रहे हैं। उद्घाटन के समय जहां ओपीडी में 300 से 400 मरीज आ रहे थे। वहीं अब इनकी संख्या दोगुनी होकर 800 तक पहुंच गई है। मंगलवार को तो रिकॉर्ड 995 मरीज पहुंचे। इनमें सबसे ज्यादा मरीज जोड़ों के दर्द के रहे। मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने के बावजूद अभी तक न तो सभी पदों पर चिकित्सकों की भर्ती हो पाई है न ही जांचें शुरू हो पाई हैं और न ही मेडिकल कॉलेज के एफिलिएशन की प्रक्रिया आरंभ हुई है।

चार चिकित्सकों से चल रहा अस्पताल

ओपीडी में अभी चार चिकित्सक ही बैठ रहे हैं, जबकि कुल पद 35 से ज्यादा हैं। चार चिकित्सकों में स्त्री रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ और मेडिकल ऑफिसर हैं।

जोड़ों के मरीज सबसे ज्यादा

800 में से 300 से ज्यादा मरीज जोड़ों के दर्द के होते हैं। त्वचा रोग के मरीज भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। संख्या इसके बाद स्त्री रोग के मरीजों का नंबर है। ओपीडी में दिखाने के लिए शुल्क 17 रुपये निर्धारित है। दवाइयां निशुल्क हैं। ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) डॉ. जुल्किफ्ल ने बताया कि गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, दिल्ली में शाहदरा, पश्चिमी यूपी में बुलंदशहर, मेरठ, सहारनपुर, बागपत से मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं।

भर्ती होने के लिए करना होगा इंतजार

डॉ. जुल्किफ्ल ने बताया कि मरीजों को भर्ती करने की सेवा जल्द ही शुरू की जाएगी। साक्षात्कार के बाद अंतः रोगी विभाग (आईपीडी) के लिए एक रेजिडेंशियल मेडिकल ऑफिसर, चार नर्स, दो वार्ड ब्वॉय, दो एमटीएस, एक हॉस्पिटल मैनेजमेंट मैनेजर को नियुक्त किया गया है। लेकिन कैंटीन का टेंडर जारी होने के बाद भी कोई कंपनी सामने नहीं आई है। जब तक भर्ती रोगियों के खाने की व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक मरीजों को भर्ती नहीं किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली. भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सितंबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मेल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

6 घंटे में फुल चार्जः स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

रिवर्स मोड भी मिलेगाः स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को रोकना पड़ता है, तब मोटर उसे जगह पर रोककर रखेगी। यानी राइडर को स्पीड देने या उसे मेंटेन करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें क्रूज कंट्रोल मिलेगा, इससे स्कूटर को एक ही स्पीड में चला पाएंगे। इसके फ्रंट और रियर दोनों में डिस्क ब्रेक मिलेंगे। फ्रंट में मोनोशॉकर्स मिलेंगे।

7-इंच का डिस्प्ले मिलेगाः ओला ने इस स्कूटर में 7-इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया है, जो मूव ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आता है। डिस्प्ले काफी शार्प और ब्राइट है। ये वाटर और डस्टप्रूफ है। इसमें ऑक्टा-कोर प्रोसेसर और 3GB रैम के साथ चिपसेट दिया है। ये 4G, वाईफाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है।

स्कूटर के साथ कोई चाबी नहीं मिलेगीः स्कूटर के साथ कंपनी चाबी नहीं दे रही है। आप इसे स्मार्टफोन ऐप और स्क्रीन की मदद से लॉक-अनलॉक कर पाएंगे। इसमें सेंसर दिए हैं, जिससे आप जैसे ही स्कूटर के पास आएंगे स्कूटर नाम के साथ हाय करेगा और दूर जाने पर नाम के साथ बाय करेगा।

स्कूटर का स्पीडोमीटर बदल पाएंगेः इसके डिस्प्ले में जो स्पीडोमीटर मिलेगा, उसमें कई तरह के फेस मिलेंगे। जैसे आप डिजिटल मीटर, पुराने गाड़ी जैसा मीटर या दूसरा फॉर्मेट चुन पाएंगे। खास बात है कि आप जैसा मीटर सिलेक्ट करेंगे स्कूटर से उसी तरह का साउंड आएगा।

Hero Xoom 110 Scooter: स्कूटर की डिलीवरी हुई शुरू, तीन वेरिएंट और पांच कलर ऑप्शन में उपलब्ध

Hero MotoCorp ने मुंबई में Xoom 110cc स्कूटर की डिलीवरी शुरू कर दी है। इस स्कूटर को LX VX और ZX वेरिएंट में लॉन्च किया था।110 सीसी स्कूटर फर्स्ट-इन-सेगमेंट कॉर्नरिंग लाइट्स से लैस है। इस स्कूटर में आपको पांच कलर ऑप्शन मिलते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में आखिरकार Hero MotoCorp ने मुंबई में Xoom 110cc स्कूटर की डिलीवरी शुरू कर दी है। वहीं इस स्कूटर की एक्स शोरूम कीमत की बात करें तो इसकी कीमत 68,599 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। इंडियन मार्केट में वाहन निर्माता कंपनी ने इस स्कूटर को LX, VX और ZX वेरिएंट में लॉन्च किया था।

Hero Xoom 110cc स्कूटर कीमत

जैसा की आपको हम बता चुके हैं कि कंपनी ने इस स्कूटर को तीन वेरिएंट में उपलब्ध कराया है। LX, VX और ZX है। सब वेरिएंट की कीमत अलग-अलग है। LX वेरिएंट की कीमत 68,599 रुपये है, जबकि VX और ZX वेरिएंट की कीमत 71,799 रुपये और 76,699 रुपये (सभी कीमतें एक्स-शोरूम, दिल्ली) हैं।

Hero Xoom 110cc फीचर्स

फीचर्स की बात करें तो इस स्कूटर में LED प्रोजेक्टर हेडलैंप, H-शेप्ड LED DRL और टेल-लैंप और मल्टी-स्पोक एलॉय व्हील दिए गए हैं। 110 सीसी स्कूटर फर्स्ट-इन-सेगमेंट कॉर्नरिंग लाइट्स से लैस है जो स्कूटर के लेफ्ट और राइट ओर झुक जाने पर सड़क पर लाइट प्रोवाइड करती है। इस स्कूटर में एक डिजिटल डिवाइस भी मिलता है जो स्क्रीन पर एसएमएस और कॉलर आईडी अलर्ट दिखाता है।

Hero Xoom 110cc इंजन

Hero Xoom में 110.9cc का एयर कूल्ड ,सिंगल -सिलेंडर इंजन मिलता है, जो 8.1hp पर 7,250 rpm की अधिकतम पावर जनरेटर करता है और 8.7Nm पर 5,750 rpm का अधिकतम टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को CVT यूनिट के साथ जोड़ा गया है।

कलर ऑप्शन

इस स्कूटर में आपको स्पोर्ट्स रेड, मैट एब्राक्स ऑरेंज, पर्ल सिल्वर व्हाइट, ब्लैक और पोलस्टार ब्लू सहित पांच डुअल-टोन कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। भारतीय बाजार में इस स्कूटर का मुकाबला TVS Jupiter और Honda Activa H-Smart से है।

डेली के काम झटपट निपटाने हीरो ने लॉन्च की 2 नई इलेक्ट्रिक साइकिल

नई दिल्ली. भारतीय बाजार के इलेक्ट्रिक साइकिल सेगमेंट की सबसे बड़ी कंपनी हीरो लेक्ट्रो (Hero Lectro) ने दो नई ई-साइकिल लॉन्च की हैं। इन साइकिल के नॉडल H3 और H5 हैं। दोनों ई-साइकिल GEMTEC पावर्ड हैं। H3 की कीमत 27,499 और H5 की कीमत 28,499 रुपए है। H3 को दो कलर ऑप्शन ब्लिसफुल ब्लैक-ग्रीन और ब्लेजिंग ब्लैक-रेड में खरीद पाएंगे। वहीं, H5 को ग्रूवी ग्रीन और ग्लोरियस ग्रे कलर में खरीद सकते हैं। दोनों साइकिल की सिंगल चार्ज पर रेंज 30km तक है। हीरो लेक्ट्रो की इन न्यू इलेक्ट्रिक साइकिलों को मजबूती देने के साथ हल्का रखने के लिए GEMTEC मैटिरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें एक नई राइड ज्योमेट्री और स्मार्ट फिट एर्गोनॉमिक्स मिलता है, जिसे हीरो साइकिल्स के R&D सेंटर में डिजाइन और डेवलप किया गया है। इन GEMTEC ई-साइकिलों को कंपनी की D2C वेबसाइट के साथ-साथ हीरो लेक्ट्रो के 600 से ज्यादा डीलरों के नेटवर्क, ई-कॉमर्स चैनलों से खरीद सकते हैं।

कन्वर्टिबल रूप में आ रही मिनी कूपर की यह कार, सिर्फ 999 यूनिट्स की होगी बिक्री

Mini Cooper SE Convertible Car मिनी कूपर SE की लिमिटेड एडिशन कार जल्द देखने को मिल सकती है। इसे सिर्फ 999 यूनिट्स के साथ लाया जा रहा है। वहीं लुक और डिजाइन के मामले में कई नए अपडेटेड देखने को मिल सकते हैं।

नई दिल्ली। मिनी कूपर SE की नई कन्वर्टिबल कार जल्द आ रही है। यह अब तक का पहला ड्रॉप-टॉप ईवी है और इसे एक लिमिटेड एडिशन कार के रूप में लाया गया है। इसकी केवल 999 यूनिट्स लाई जा रही है। एसई कन्वर्टिबल को मुख्य रूप से यूरोपीय बाजार में पेश किया जाएगा। तो चलिए इसके फीचर्स के बारे में जानते हैं।

शानदार होगा लुक

डिजाइन के रूप में मिनी कूपर SE कन्वर्टिबल कार को नप्पा लेदर और पियानो ब्लैक फिनिश के साथ लाया जा रहा है। फोल्डिंग फैब्रिक रूफ इसे अलग बनाता है। बेस मॉडल से अलग दिखने के लिए इसके फेंडर पर बैजिंग भी मिलती है। कन्वर्टिबल में दरवाज़े के हैंडल और हेडलैम्प और टेललाइट के चारों ओर कॉपर टच मिलते हैं और कन्वर्टिबल में दरवाज़े के हैंडल और हेडलैम्प और टेललाइट के चारों ओर मिलते हैं।

पहले की तरह होगा बैटरी पैक

मिनी कूपर SE कन्वर्टिबल कार में दिए जाने वाले पत्तेरी पैक को पहले की तरह रखा गया है। इसमें 32.6 kWh का लिथियम आयन बैटरी पैक दिया गया है जो 184bhp की पावर और 270Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। रेंज की बात करें तो एक बार चार्ज करने पर यह 235 से 270 किमी की रेंज देती है और 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार महज 7.3 सेकेंड में पकड़ सकती है। चार्जिंग विकल्पों में 11kW का AC चार्जर भी मिलता है जो 2.5 घंटे में बैटरी को 80 प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है।

Mini Cooper SE की कीमत

कूपर SE के बेस मॉडल की कीमत की बात करें तो मिनी कूपर SE को 50.90 लाख रुपये मे खरीद सकते हैं। वहीं, इसके कन्वर्टिबल कार की कीमत ज्यादा होने की उम्मीद है। फिलहाल इसके लॉन्चिंग का इंतजार किया जा रहा है और यह तीन दरवाजों वाले ऑल इलेक्ट्रिक मॉडल के रूप में आने वाली है।

Toyota Hyryder CNG के दमदार फीचर्स बना रहे हैं लोगों को फैन! जल्द शुरू हो सकती है कार की डिलीवरी

टोयोटा सीएनजी-पावर्ड हाईराइडर को दो वेरिएंट्स - एस और जी में पेश किया है। इसमें सबसे खास बात ये है कि ये कार फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट के साथ आती है। इसे कंपनी ने दो वेरिएंट एस और जी में पेश किया है।

नई दिल्ली । Toyota Kirloskar Motor ने हाल के दिनों में भारत में अपनी पहली सीएनजी संचालित एसयूवी है। Toyota Urban Cruiser Hyryder CNG को 13.23 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया है। वहीं अब ये कार डीलरशिप पर पहुंचना भी शुरू हो चुकी है। इसके कारण ये संभावना लगाया जा रहा है कि कंपनी इस कार की डिलीवरी भी जल्द ही शुरु कर सकती है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो मात्र 25 हजार रुपये की टोकन राशि देकर इस कार को बुक कर सकते हैं।

Toyota Urban Cruiser Hyryder CNG इंजन

इसमें सबसे खास बात ये है कि ये कार फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट के साथ आती है। इसे कंपनी दो वेरिएंट में एस और जी में पेश करेगी। टोयोटा अर्बन क्रूजर हाई राइडर ई-सीएनजी को पावर देने वाला 1.5-लीटर के-सीरीज डुअल-जेट, डुअल वीवीटी बाई-फ्यूल पेट्रोल इंजन है जो सीएनजी मोड में 86.6 बीएचपी और 121.5 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह 5 स्पीड के मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आता है। यह 26.6 किमी प्रति किलोग्राम का माइलेज देता है।

Toyota Urban Cruiser Hyryder CNG कीमत

टोयोटा सीएनजी-पावर्ड हाईराइडर को दो वेरिएंट्स - एस और जी में पेश किया है। जिसकी कीमत 13.23 लाख रुपये से लेकर 15.29 लाख रुपये तक है। भारतीय बाजार में इस कार की टक्कर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा एस-सीएनजी से है।

Urban Cruiser Hyryder

अगर आप टोयोटा अर्बन क्रूजर हाई राइडर को खरीदना चाहते हैं तो इसके लिए आपको लंबे समय तक का इंतजार करना पड़ेगा क्योंकि इस कार का वेटिंग पीरियड 20-24 सप्ताह का है।

ईवी और ईंधन से चलने वाली गाड़ियों में कौन बेहतर? यहां दूर होगा आपका कन्फ्यूजन

अगर आप अपने लिए नए साल पर एक कार खरीदने की सोच रहे हैं पर ईवी और पेट्रोल कार लेने में कंफ्यूज हैं तो आज आप इन सवालों का जवाब हम लेकर आए हैं। चलिए समझते हैं इन आसान प्वाइंट्स में।

नई दिल्ली। इस समय ईवी को लेकर बहुत सारे लोगों के मन में कन्फ्यूजन है। नई गाड़ी खरीदने से पहले लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि ईवी खरीदें या फिर ईंधन से चलने वाली कारें। इसलिए, इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं इन दोनों ऑप्शन के खासियतों के बारे में, ताकि आपको अपनी ड्रीम कार खरीदने में आसानी हो और फायदा भी।

इलेक्ट्रिक कार

भारतीय बाजार में इस समय ईवी का चलन काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। इसके लिए सरकार भी काफी तेजी से काम कर रही है और लोगों को इसके प्रति जागरूक भी कर रही है।लेकिन इस समय मार्केट में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत काफी अधिक है जिसे मीडिल क्लास के लोग खरीदने में सोचते हैं। हालाकिं भारतीय बाजार में मौजूद कई बड़ी कंपनियां इस पर काम कर रही है ताकि हर कोई ईवी को खरीद सके और कई कंपनियों ने लोगों के बजट के हिसाब से भी कार निकाली है।

पेट्रोल - डीजल

लेकिन आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों का दबदबा बरकरार है। लोग इलेक्ट्रिक कारों को चार्जिंग के कारण भी नहीं खरीदते हैं क्योंकि चार्जिंग एक सबसे बड़ी समस्या है। ईवी को भविष्य माना जाता है, इसके लिए सरकार भी कई जगहों नए -नए चार्जिंग स्टेशनों को लगाने का काम भी कर रही है। इस साल हमने भारतीय बाजार में कई बड़ी इलेक्ट्रिक कारों की लॉन्चिंग देखी । जिसमें कई बड़ी कंपनियां शामिल है।

भारत में आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों को ईवी से अधिक पसंद किया जाता है। भले ही इसकी कीमत बढ़ रही है लेकिन फिर भी लोगों में इसका क्रेज बरकरार है। आम धारणा है कि अगर सस्ती कार, कम मेंटेनेंस और कम रनिंग है तो पेट्रोल कार बेस्ट ऑप्शन होती है।

संपादक की कलम से

लिव-इन से हत्या तक

लिव-इन संबंध अवैध, असांस्कृतिक, लैंगिक शोषण और सहज यौन संबंधों के माध्यम हैं। बेशक अदालतों ने इन्हें 'कानूनी' करार दिया है और घरेलू हिंसा, संतान और आर्थिक मुआवजे के संदर्भ में, लडक़ी के लिए, सुरक्षित माना है, लेकिन लिव-इन का यथार्थ कितना खौफनाक और डरावना है, यह श्रद्धा टुकड़े-टुकड़े हत्याकांड से समझा जा सकता है। अब एक और श्रद्धा बनते-बनते निक्की यादव बच गई, लेकिन उसकी भी ज़िंदगी छीन ली गई। इस प्रकरण में भी प्रेमी-प्रेमिका और लिव-इन संबंध मौजूद थे। वह प्यार नहीं, शारीरिक आकर्षण मात्र था ! वह कैसा प्यार था कि कथित प्रेमी साहिल गहलोत ने अपनी ही लिव-इन प्रेमिका निक्की की गला घोंट कर हत्या कर दी ! शुक्र है कि वह निक्की के शव के टुकड़े-टुकड़े नहीं कर पाया, क्योंकि वक्त नहीं मिला, क्योंकि अगले ही दिन उसकी शादी तय थी। प्यार का अजीब प्रकरण था ! एक लडक़ी के साथ प्रेम-संबंध और दूसरी के साथ शादी' ! ऐसा शख्स प्रेम और मानवीय रिश्तों के प्रति ईमानदार और गंभीर कैसे हो सकता है ?

दरअसल गलतियां हमारी बेटियां भी करती रही हैं। माता-पिता उन्हें पढ़ाई या नौकरी के लिए घर-परिवार और शहर से बाहर भेजते हैं। कमोबेश यह लैंगिक स्वतंत्रता उनका अधिकार भी है, लेकिन सब कुछ पीछे छूट जाता है। मां-बाप को उसके लिव-इन रिश्ते की भनक तक नहीं होती। बेटियां यह भी तर्क देने लगती हैं कि अब वह 'बालिग' हो गई है, लिहाजा अपने फैसले लेने को कानूनन स्वतंत्र है। जवानी के खोखले आकर्षणों में माता-पिता भी पीछे छूट जाते हैं और बेटी बिना कुछ समझे-जाने, किसी कथित प्रेमी के साथ, लिव-इन में रहने लगती है। संबंधों की तमाम मर्यादाएं और सामाजिक मान्यताएं तोड़ दी जाती हैं। यदि बालिग बेटी परिपक्व होती, तो अंततः ऐसे संबंधों की परिणति हत्या न होती ! हम ऐसे कई उदाहरण देख चुके हैं। लिव-इन की सहमति न बन पाए, तो सामूहिक बलात्कार और हत्या की बर्बरताएं सामने आती हैं। ऐसा 'निर्भया कांड' देश भर में गूंजा था। जनता बहुत आक्रोशित भी हुई थी। सडक़ों और इंडिया गेट पर 'मोमबत्ती मार्च' आयोजित किए गए थे। संसद का विशेष सत्र बुलाकर कानून में संशोधन किया गया था। देश के प्रधान न्यायाधीश रहे जस्टिस जेएस वर्मा और जस्टिस लीला सेठ ने नए कानून का प्रारूप तय किया था। यौन शोषण, छेड़छाड़, बलात्कार और सारांश में यौन संबंधों को नए तरीके से परिभाषित भी किया गया था, लेकिन 'निर्भया कांड' में इंसाफ 7 लंबे सालों के बाद मिला था। टुकड़े-टुकड़े श्रद्धा का मामला भी अदालत में न जाने कब न्याय की दहलीज़ छू पाएगा ? यह इंसाफ अभी मिलना है और निक्की की अमानवीय हत्या का मामला सामने आ गया है।

अदालतें कानूनी तौर पर किस सुरक्षा का दावा करती रही हैं ? ज़िंदगी बचेगी, तो सुरक्षाओं की मांग भी की जाएगी। एक मृत शरीर तो पत्थर है। भारत में शिक्षित और स्वतंत्र बेटी बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। दरअसल ऐसे प्यार की उम्र भी ऐसी होती है कि बेटियां भी बहक जाती हैं। हालांकि उनके माता-पिता समझाते भी होंगे कि हमारी संस्कृति में शादी के बिना कोई भी संबंध बेमानी और अवैध है। लिव-इन पाश्चात्य समाज और संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारे समाज में स्वीकार्य नहीं है, लेकिन दैहिक और यौन आकर्षण, अंततः, बेटियों को हत्या की दहलीज़ तक धकेल देते हैं। और ऐसी ज्यादातर घटनाएं राजधानी दिल्ली, उसके आसपास और महानगरों में हो रही हैं, लिहाजा अब संसद की पहल ही जरूरी है।

राहुल की यात्रा, राष्ट्रपति का अभिभाषण

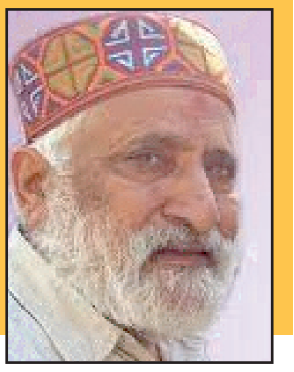

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जाता है। यदि सत्ता पक्ष और विपक्ष में संख्या का अंतर बहुत ही कम हो तो कई बार विपक्ष जोड़-तोड़ करता है और धन्यवाद भाषण पर इस आशा में मतदान करवाता है कि शायद सरकार गिर जाए। लेकिन यदि अंतर ज्यादा हो और सरकार मज़बूत हो तो विपक्ष प्रायः अभिभाषण के मुद्दों पर चर्चा करता है....

वैसे पार्टी में सभी को उनकी हैसियत बताने के लिए वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने इसके लिए 'राम की खड़ाऊं' वगैरह का उदाहरण भी दिया। इसके साथ ही राहुल गांधी कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की पद यात्रा करने के लिए घर से निकले। इसका भी उद्देश्य यही था कि लोग राहुल गांधी को भी गंभीरता से लें। गंभीर और गहरा बनने के लिए यात्रा से पूर्व रिहर्सल वगैरह भी की ही होगी। लेकिन इस सबके बावजूद वे कहीं-कहीं ऐसी बातें कहते थे जिनकी व्याख्या करने के लिए दरबारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। उदाहरण के लिए यात्रा में एक जगह कहने लगे, राहुल गांधी मर गया है। जिसे तुम देख रहे हो वह राहुल गांधी नहीं है। वह राहुल गांधी कब का मर चुका है। मैं मैं नहीं हूं। राहुल गांधी तुम्हारे दिमाग में है, बाहर वह है ही नहीं। इस प्रकार के 'नाव में नदिया डूबी जाए' टाइप बयानों को सार्थक बनाने के लिए प्रवक्ताओं के पसीने छूटते थे। फिर भी लंबी यात्रा पूर्ण हुई। लेकिन लाभ के नाम पर यात्रा से केवल यह मिला कि लोग शायद पप्पू के स्थान पर बोलचाल में भी राहुल गांधी कहने लगे'

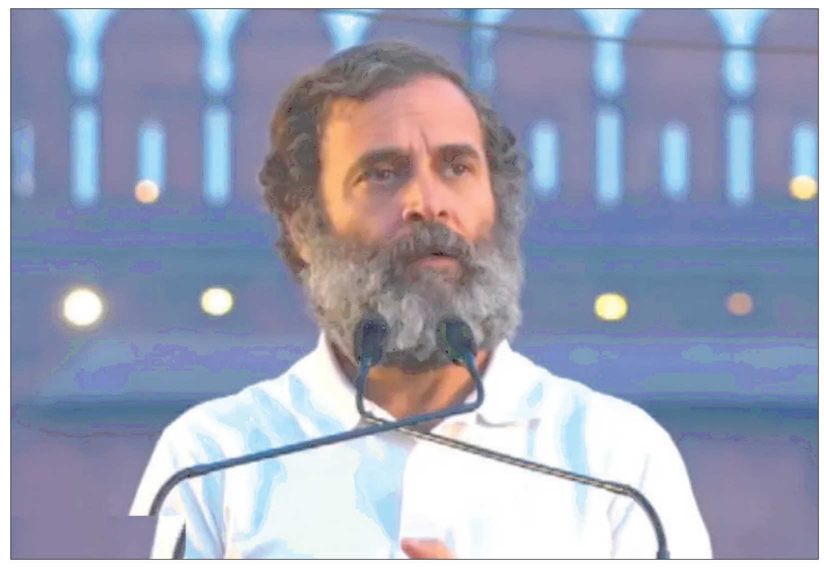

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जाता है। यदि सत्ता पक्ष और विपक्ष में संख्या का अंतर बहुत ही कम हो तो कई बार विपक्ष जोड़-तोड़ करता है और धन्यवाद भाषण पर इस आशा में मतदान करवाता है कि शायद सरकार गिर जाए। लेकिन यदि अंतर ज्यादा हो और सरकार मज़बूत हो तो विपक्ष प्रायः अभिभाषण के मुद्दों पर चर्चा करता है। लेकिन इस बार कांग्रेस की ओर से इस अवसर का उपयोग एक तीसरे उद्देश्य के लिए किया गया लगता है। सब जानते हैं कि संसद में विपक्ष बुरी तरह बिखरा हुआ है। संख्या के हिसाब से भी और रणनीति के हिसाब से भी। कांग्रेस के सांसदों की संख्या और अन्य विपक्षी दलों की कुल जमा संख्या से कम है। यदि सभी विपक्षी दलों के लोक सभा सदस्यों को भी मिला दिया जाए और वे सचमुच मिल भी जाएं, तब भी वे सत्ता पक्ष से काफी दूर हैं।

लेकिन न मिल पाने का एक अन्य कारण भी है। कांग्रेस को अभी भी भ्रम है कि वह यूपीए काल की तरह सारे विपक्षी दलों की धुरी बन सकती है और दूसरे दलों को यह बात स्वीकार कर लेनी चाहिए। लेकिन दूसरे विपक्षी दलों का मानना है कि कांग्रेस अभी भी अपने भूतकाल में आ रही है। इक्कीसवीं शताब्दी की राजनीति समझने के लिए उसे सबसे पहले भूतकाल से निकल कर वर्तमान काल में आना पड़ेगा। लेकिन कांग्रेस को फिलहाल यह स्वीकार नहीं है। इसलिए विपक्ष के स्थान पर हम यहां केवल कांग्रेस की ही बात करेंगे। कांग्रेस ने धन्यवाद प्रस्ताव के इस अवसर का प्रयोग कैसे और क्यों किया। कांग्रेस की इस समय सबसे बड़ी समस्या राहुल गांधी हैं। कांग्रेस में इतना तो अलिखित रूप से तय है कि उसकी नकेल सदा नेहरु-गान्धी राजपरिवार के हाथ में ही रहेगी। वह भी शायद राज परिवार के पुरुष सदस्य के पास। यह अलग बात है कि इस राज परिवार ने इन्दिरा गान्धी के बाद अपने नाम से नेहरु शब्द हटा दिया है जिसकी ओर व्यंग्य से नरेन्द्र मोदी ने भी संकेत किया था। इस गणित से इस राज परिवार में गद्दी के हकदार राहुल गान्धी ठहरते हैं। लेकिन इसे राज परिवार का दुर्भाग्य ही कहना होगा कि राहुल गान्धी बढ़ती उम्र के साथ परिपक्व नहीं हो रहे हैं। यही कारण था कि वे भारतीय राजनीति में पप्पू के नाम से प्रसिद्ध हो गए। अब यदि किसी व्यक्ति की छवि उस प्रकार की बन जाए तो उसके गले में माला डाल कर कोई भी पार्टी चुनाव के मैदान में कैसे उतर सकती है ? इसलिए पार्टी के पास दो काम थे। जब तक पप्पू सयाना नहीं हो जाता, तब तक पार्टी का प्रधान किसी 'अपने' व्यक्ति को बना दिया जाए। सत्ता काल में तो सभी व्यक्ति राज परिवार के 'अपने' व्यक्ति बनने को लालायित रहते थे, लेकिन अब अन्धकार काल में लोग इस काम से कन्नी कतराने लगे हैं।

राजस्थान के अशोक गहलोत ने तो मुख्यमंत्री पद का त्याग कर राजपरिवार का 'अपना व्यक्ति' बनने से सार्वजनिक रूप से इन्कार कर दिया। तब विवशता में लगभग जीवन की चौथ में पहुंचे मल्लिकार्जुन खडग़े को 'अपने' आदमी की भूमिका में उतारा गया। वैसे इसके लिए चुनाव बगैरह के सभी सांसारिक कर्मकांड भी पूरे कर लिए गए। राज परिवार ने पहला काम तो जैसे तैसे निपटा दिया। वैसे पार्टी में सभी को उनकी हैसियत बताने के लिए वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने इसके लिए 'राम की खड़ाऊं' वगैरह का उदाहरण भी दिया। इसके साथ ही राहुल गान्धी कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की पद यात्रा करने के लिए घर से निकले। इसका भी उद्देश्य यही था कि लोग राहुल गान्धी को भी गंभीरता से लें। गंभीर और गहरा बनने के लिए यात्रा से पूर्व रिहर्सल वगैरह भी की ही होगी। लेकिन इस सबके बावजूद वे कहीं कहीं ऐसी बातें कहते थे जिनकी व्याख्या करने के लिए दरबारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। उदाहरण के लिए यात्रा में एक जगह कहने लगे, राहुल गान्धी मर गया है। जिसे तुम देख रहे हो वह राहुल गान्धी नहीं है। वह राहुल गान्धी कब का मर चुका है। मैं मैं नहीं हूं। राहुल गान्धी तुम्हारे दिमाग में है, बाहर वह है ही नहीं। इस प्रकार के 'नाव में नदिया डूबी जाए' टाईप बयानों को सार्थक बनाने के लिए प्रवक्ताओं के पसीने छूटते थे। फिर भी लम्बी यात्रा पूर्ण हुई। लेकिन लाभ के नाम पर यात्रा से केवल यह मिला कि लोग शायद पप्पू के स्थान पर बोलचाल में भी राहुल गान्धी कहने लगे। अब राज परिवार के सामने तीसरा काम पड़ा था। नए राहुल गान्धी को लोकसभा में लांच करना ताकि विपक्ष समझ ले कि अब राज परिवार का मुखिया सचमुच विपक्ष का नेता बनने योग्य हो गया है। इसलिए सारे विपक्ष को उसका नेतृत्व स्वीकार कर लेना चाहिए।

और देश के लोग समझ लें कि अब राहुल गान्धी उनका प्रधानमंत्री बनने के काबिल हो गया है। ये दोनों उद्देश्य ध्यान में रखकर राहुल गान्धी धन्यवाद प्रस्ताव पर बोले। लेकिन लगता है इस बार भी राहुल गान्धी को तैयार करने वाले किसी 'भीतरी' ने उनके हाथ हिंडनबर्ग की विदेश मार्का फुलझड़ी देकर मैदान में उतार दिया। वे भी किसी अच्छी तरह सिधाए व्यक्ति की तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा करने की बजाय हिंडनबर्ग की फुलझड़ी जला कर स्वयं ही प्रसन्न होते रहे। शायद इसीलिए अब कांग्रेस के भीतर ही सवाल उठने लगे हैं कि कहीं हजारों किलोमीटर की यह पद्यात्रा बेकार ही तो नहीं चला गई। राहुल गान्धी तो अब भी वहीं खड़े लगते हैं जहां यात्रा से पहले फुलझडियां चलाया करते थे। बेचारे सलमान खुर्शीद अभी भी खड़ाऊं लेकर खड़े हैं। परिपक्व हुए बिना भारतीय राजनीति में बड़ा स्थान बनाना मुश्किल है। हालांकि इस बार पद्यात्रा में राहुल गांधी ने सेना का हौसला जरूर बढ़ाया और उसका मान बढ़ाकर जरूर यह कहा कि सेना के किसी अभियान पर किसी तरह के सबूत की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन फिर भी कई बातें उन्होंने ऐसे कर दी कि वह मैच्योर नजर नहीं आए। उनकी माता सोनिया गांधी अब बुजुर्ग हो चली हैं, इसलिए जरूरत इस बात की है कि कांग्रेस की कमान संभालने के लिए राहुल गांधी को जल्द से जल्द मैच्योर होना है।

18 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1495 – इंग्लैंड में सर विलियम स्टैनली को मौत के घाट उतार दिया गया। 1616 – ब्रिटेन के राजदूत सर थॉमस रो मुग़ल शासक जहांगीर के दरबार अजमेर में आये। 1763 – पेरिस संधि के तहत फ्रांस ने कनाडा ब्रिटेन को दे दिया। पेरिस की संधि से फ्रांसीसी – भारतीय युद्ध की समाप्ति। 1811 – रूसी सैनिकों ने बेलग्रेड पर कब्ज़ा किया। 1817 – ब्रिटेन, प्रसिया, आस्ट्रिया और रूस ने फ्रांस से अपनी फ़ौजें हटाने की घोषणा की। 1818 – अंग्रेजों तथा मराठा के बीच तीसरा तथा अंतिम युद्ध रामपुर में लड़ा गया। 1828 – दक्षिण अमेरिकी क्रान्तिकारी साइमन बोलिवार कोलंबिया के शासक बने। 1846 – अंग्रेजों ने सोबरांव की लड़ाई में सिखों को पराजित किया। 1848 – फर्नीनांड प्रथम ने नया संविधान लागू किया। 1879 – अमेरिका के कैलिफोर्निया थियेटर में पहली बार रोशनी के लिए बिजली का इस्तेमाल किया गया। 1890 – रूसी लेखक बोरिस पेस्टरनाक का जन्म। 1904 – जापान तथा रूस ने युद्ध की घोषणा की। 1912 – ब्रिटेन के किंग जार्ज पंचम तथा क्वीन मैरी भारत से रवाना। 1916 – ब्रिटेन में सैन्य भर्ती शुरू हुआ। 1918 – सोवियत नेता लियो ट्रोटस्की ने रूस के प्रथम विश्व युद्ध से हटने की घोषणा की। 1921 – काशी विद्यापीठ का उद्घाटन गांधी जी ने किया। ड्यूक ऑफ़ कनॉट ने इंडिया गेट की नींव रखी। 1929 – जे.आर.डी. टाटा पायलट लाइसेंस पाने वाले पहले भारतीय बने। 1931 – दिल्ली भारत की राजधानी बनी। 1933 – जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने मार्क्सवाद के समाप्त होने की घोषणा की। 1939 – जापानी सैनिकों ने हेनान द्वीप, चीन पर अधिकार कर लिया। 1947 – नीदरलैंडस रेडियो यूनियन की स्थापना। 1943 – द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सैनिक टयूनिशिया की सीमा पर पहुँचे। 1959 – अमेरिका के सेंट लुईस में तूफान से 19 की मौत 265 घायल। 1961 – अमेरिका ने वेस्टइंडीज में अनेक स्थानों पर अपना दावा छोड़ा। कनाडा में नियाग्रा जल प्रपात की पनबिजली परियोजना से बिजली का उत्पादन शुरू। 1966 – यूरोपीय देश बेल्जियम में हारमेल की सरकार ने इस्तीफ़ा दिया। 1969 – पश्चिम बर्लिन यात्रा पर जर्मन प्रतिबंध को अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने अस्वीकार कर दिया। 1972 – सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया। 1974 – इराक ने सीमा संघर्ष में 70 ईरानी सैनिकों को मारने का दावा किया। 1979 – ईटानगर को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी बनाया गया। 1981 – खगोलविद राय पेंथर द्वारा धूमकेतु की खोज। 1984 – सोवियत राष्ट्रपति यूरी आंद्रोपोव का देहांत। 1989 – अमेरिका ने नवादा परीक्षण–स्थल पर परमाणु परीक्षण किया। 1991 – पेरू में हैजे से 51 लोगों की मौत। सोवियत संघ से आजादी के लिए यूरोपीय देश लिथुआनिया में मतदान।

नेताजी का तबादला वसंत

वसंत पंचमी के दिन नेताजी ने इसे धूमधाम से मनाये जाने की घोषणा अपने चमचों से की तो सारे चमचे अपने पीले-पीले दांतों से हंसते हुये इस आयोजन में जुट गये। कोई फूल लेने दौड़ा तो कोई पीले वस्त्र और कोई मां सरस्वती की फोटो लेने। एक चमचा मेरे पास भी आया और बोला-'दोपहर में नेताजी के आंगन में नाचेगा वसंत, इसलिए आपको आना है।' मैंने कहा-'यह वसंत कब से नाचने लगा भाई। वसंत में तो खुशियों से पगलाया आदमी नाचता है और वसंत का स्वागत करता है।' चमचा मेरी बात को नहीं समझ पाया और जाते-जाते बोला-'आप आयें तो वसंत की चार-पांच कवितायें भी लेते आना।' चमचा चला गया और मेरे दिमाग में द्वंद्व छोड़ गया कि मैं नेताजी के वसंत आयोजन में जाऊं कि नहीं जाऊं ? तभी मुसद्दीलाल आ गया। मैंने कहा-'अमां मुसद्दी, नेताजी ने वसंत आयोजन रखा है दोपहर में, जाऊं या टाल दूं ? क्या है नेताओं का वसंत, पता नहीं कैसा होता है। जरा ऊंच-नीच हो गई तो नेताजी उखड़ जायें और मेरा तबादला कहीं दूर-दराज में करा दिया तो लेने के देने पड़ जायेंगे।' मुसद्दी घुटा हुआ था, बोला-'तबादलों से ही आता है वसंत शर्मा। बुलावा तो मुझे भी दिया है।

डरने की बात नहीं है। दोनों साथ चलेंगे तो बात बन जायेगी।' मैंने कहा-'यह तो बहुत अच्छा हुआ कि तुम्हें भी बुलाया है। लेकिन यार यह तबादलों से वसंत कैसे आता है ? मैं समझा नहीं।' मुसद्दीलाल ने गुटके की पीली थूक की पिचकारी दीवार पर मारी और बोला-'तबादलों का वसंत देखना है तो नेताजी के आयोजन में मत जाओ, दूसरे दिन खुद जान जाओगे कि तबादलों का वसंत क्या बला है ?' 'वसंत और बला जरा खोलकर समझाओ मुसद्दी। मैं कोई नया पंगा लेने के मूड में नहीं हूं। अच्छा हुआ जो तुम आ गये वर्ना मैं तो न जाने की सोच रहा था।' मैंने कहा तो मुसद्दी ने तबादला वसंत समझाया-'फर्ज करो तुम नेताजी के वसंत समारोह में नहीं गये, वहां तुम्हें कविता पाठ अलग से करना है। नहीं पहुंचे तो नेताजी नाराज और तुम्हारा तबादला होगा तुम्हारे घर से हजार किलोमीटर दूर। बस अब यहीं से शुरू होता है नेताजी का तबादला वसंत। तुम पागलों की तरह भागते फिरोगे।

नेताजी के बंगले के चक्कर पे चक्कर, लेकिन नेताजी तुम से मिलेंगे नहीं, तभी वही चमचा पीले दांतों से हंसता हुआ आयेगा और तुमसे पूछेगा-क्या तबादला कैंसिल करवाना चाहते हो ? तुम रिरियाते हुये स्वीकृति में माथा हिलाओगे, तब वह तुम्हारी जेब की तरफ एक टक देखने लगेगा, मेरा मतलब तबादला कैंसिल कराने का हजारों रुपया लगता है और तुम फिर जेब में पैसा भरकर लाओगे, तब वह चमचा नेताजी को, जो तुम्हारे विभाग के मंत्री भी हैं, सारा किस्सा समझाकर तुम्हारा तबादला कैंसिल करवा देगा। बस यही है नेताजी का तबादला वसंत, उनका यह वसंत सदाबहार है और बारह महीनों चलता है। तुम इस वसंत में पैसा नहीं जुटा पाये तो भाग-दौड़ में पीले पड़ जाओगे और पत्नी हो जायेगी सूखकर कांटा। अब सोच लो तुम्हें इस वसंत पंचमी को क्या करना है ?' मुसद्दीलाल का व्याख्यान सुनकर मेरे ज्ञान चक्षु खुल गये और मैं बोला-'जल्दी करो मुसद्दी, हमें वहां समय पर पहुंचना है।' मुसद्दी ने फिर पीले दांत दिखाये और बोला-'घबराओ मत, अभी सुबह के साढ़े नौ बजे हैं और आयोजन है दोपहर दो बजे। तुम तो कविताओं को याद करो, मैं अभी नहाकर आता हूं।' यह कहकर मुसद्दीलाल चला गया और मैं भी घबराया सा नेताजी की वसंतोत्सव में जाने की तैयारी करने लगा। नेताजी के तबादला वसंत ने मेरी तीसरी आंख भी खोल दी थी और मैं उस मंजर से भयभीत था।

पूरन सरमा

सीपीएस के बढ़ते दायरे

सरकार की ताजपोशी में मौजूद खनक का एक इम्तिहान इस बार जरूर मुख्य संसदीय सचिवों की भूमिका के साथ जुड़ गया है। यह कांग्रेस से छह विधायकों के दायित्व को स्तरोन्नत करते हुए भी कानूनी वैधता के प्रश्न पर संयम बरत रहा है और इसीलिए बाकायदा नोटिफिकेशन से सरकार ने अपनी मर्यादा का उल्लेख किया है। यानी ये छह पद एक तरह से सरकार के सलाहकार बोर्ड की तरह हैं, जो कमोबेश इसी भूमिका में फर्ज निभाते और सरकारी फाइल को रक्षा कवच पहनाते हुए एक सेतु तैयार करेंगे। इस सेतु पर मंत्री और सचिवालय तथा मंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय के बीच सहमति का सार्थक पथ निर्मित करने का प्रयास हो रहा है। जाहिर तौर पर सचिवालय की कार्य क्षमता व दक्षता में सलाह की एक सक्रिय परत बैठाई जा रही है। मुख्य संसदीय सचिवों के पद पर स्पष्टता से मंथन करके ही इनके औचित्य का जायज पक्ष सामने आएगा, लेकिन यह जरूरी है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से संचालित सलाहकारों के जरिए विभागीय सोच में परिवर्तन लाया जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्य संसदीय सचिवों को आवंटित कार्य क्षेत्र का विवेचन होगा।

फिलहाल अर्की के विधायक संजय अवस्थी मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ पीडब्ल्यूडी व स्वास्थ्य मंत्रालयों के साथ तालमेल करेंगे, जबकि सीपीएस सुंदर ठाकुर वन, ऊर्जा व पर्यटन के दायित्व में मुख्यमंत्री के साथ संबद्ध हैं। इसी तरह निकट भविष्य में जब मुख्य संसदीय सचिव आशीष बुटेल, किशोरी लाल, मोहन लाल ब्राक्टा और राम कुमार के साथ विभागीय आवंटन सामने आएगा, तो स्थिति और स्पष्ट होगी। इसी के साथ एक तीसरी परत भी सामने आएगी, जब विभागीय निर्णयों के साथ संबंधित बोर्ड, निगम व फेडरेशन के प्रभारी अपना काम शुरू करेंगे। कहना न होगा कि सरकार के भीतर कार्यों के बंटवारे में दायरे और दृष्टि को और स्पष्ट करने की जरूरत को पूरा किया जा रहा है। देखना यह होगा कि विधायक बतौर मुख्य संसदीय सचिव पूरे प्रदेश की छवि में खुद को कैसे निरूपित करते हैं। मुख्यमंत्री ने मुख्य संसदीय सचिवों के जरिए हिमाचली विकास का समन्वित स्वरूप देखना शुरू किया है और इस तरह मंत्री की फाइल पर पूरे हिमाचल के नजरिए का रेखांकन हो सकता है। बेशक पहली बार सीपीएस को सजावटी भूमिका से आगे बढ़ाकर शासकीय पद्धति की अहम कड़ी बनाया जा रहा है और यह अपनी तरह का अनूठा प्रयोग होगा, जो मुख्यमंत्री की कमान को सशक्त करेगा। ऐसे में कल जब बोर्ड-निगमों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सामने आएंगे, तो सरकार की अगली पेशकश में ऐसा ही कुछ प्रभावशाली तालमेल वांछित है। कहना न होगा कि सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी सरकार की कसौटियां तय करते हुए प्रशासनिक और शासकीय ढांचे में कसाव लाने की तरफ इशारा कर रहे हैं। भविष्य में सीपीएस के पास सरकारी प्राथमिकताओं की फाइल अगर मंत्रियों से पहले जाएगी, तो इसके मायने या तो पारदर्शी हो जाएंगे या मुख्यमंत्री कार्यालय के बिना सरकार का कोई पात्र, कोई भी पत्ता नहीं हिला पाएगा। जाहिर है इससे छह मुख्य संसदीय सचिवों का रुतबा, उनके अनुभव को पारंगत करेगा तथा आने वाले समय में सरकार की भूमिका में उनके लिए एक सीढ़ी जैसा आरोहण तय है। ये तमाम सीपीएस कमोबेश युवा हैं और इस तरह सरकार की रोशनी में मुख्यमंत्री युवा ऊर्जा का अधिकतम प्रयोग करने की स्थिति में रहेंगे। यहां मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ जुड़े सीपीएस संजय अवस्थी की पहचान में संदेश अगर स्पष्ट है, तो आने वाले समय में किसी भी विभाग की प्रगति को समझने के साथ-साथ संबंधित सीपीएस का महत्त्व भी अलंकृत होगा।

यह वक्त की जरूरत के साथ-साथ राजनीतिक आवश्यकता भी रही है कि हर विभाग की दृष्टि में प्रदेश का समग्र विकास हो, लेकिन अब तक मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों के विधानसभा क्षेत्र ही इनके रुतबे में लाभान्वित होते रहे हैं। इसलिए क्षेत्रीय आधार पर मंत्री बनाने की ख्वाहिश के साथ सत्ता लाभ के स्वर ऊंचे होते रहे हैं। सीपीएस संजय अवस्थी ने पदभार संभालने के बाद शिमला से कार्यालयों के दबाव घटाने संबंधी बयान देकर एक दृष्टिकोण रखा है। इसे अगर सरकार के फलक पर समझा जाए, तो इससे पहले भी यही प्रयोग वीरभद्र सिंह के दौर में शुरू हुआ था और जिसके बदौलत कई महत्त्वपूर्ण कार्यालय जिला मुख्यालयों में स्थानांतरित किए गए थे। राजधानी शिमला का विकास एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रिजन के तहत होना चाहिए ताकि बीस से तीस किलोमीटर के दायरे तक भविष्य को संबोधित करते हुए रोडमैप तैयार किया जा सके। इसी तरह हर सीपीएस की भूमिका में उभरते लक्ष्य अगर प्रदेश की समग्रता में अपना योगदान करेंगे, तो परिवर्तन आएगा जरूर।

विश्व स्तरीय खेल ढांचे के परिणाम

भूपिंदर सिंह

देश में हो रही लड़कियों की क्रिकेट लीग में हिमाचल प्रदेश महिला क्रिकेट खिलाडियों की बहुत बल्ले बल्ले हो रही है। सीजन के लिए करोड़ों मैच फीस मिलना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस सब के लिए अनुराग ठाकुर के दो दशक पहले किए गए प्रयासों को श्रेय जाता है। राज्य में विश्व स्तरीय खेल ढांचा खड़ा कर उसमें लड़कियों के लिए क्रिकेट अकादमी शुरू करने के कारण ही आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हिमाचल प्रदेश की कई बेटियां बहुत बढिया प्रदर्शन कर रही हैं। हमारे इस पहाड़ी राज्य में अन्य राज्यों के मुकाबले खेलों की तरफ ध्यान कम ही दिया जाता रहा है। इसका मुख्य कारण है कि यहां पर खेल मैदानों का अभाव साफ देखा जा सकता है। पहाड़ी भूभाग होने के कारण यहां पर खेल ढांचे के लिए रखा धन केवल भूमि को समतल करने में ही खत्म हो जाता है। बहुत अधिक धन व श्रम से ही यहां खेल सुविधाओं को खड़ा किया गया है। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहड़ू, रामपुर, सराहन, सोलन, चैल व नाहन आदि जगहों पर मैदान थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों-उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर के प्रयासों ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले तारीफ है।

हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण का अभाव शुरू से ही रहा है, मगर सदी के पहले दशक में ही अनुराग ठाकुर ने लड़कियों के लिए अकादमी चला कर भविष्य में हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी पक्की करने के लिए शुरुआत कर दी थी। इस कॉलम के माध्यम से पहले भी कई बार लिखा जा चुका है कि राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियों को स्थापित किया जाए। अभी भी अगले वर्ष तक अनुराग ठाकुर भारत के खेल मंत्री हैं। उनसे हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं को समृद्ध करने के लिए नियमानुसार कहें तो बहुत कुछ मिल सकता है। बिलासपुर के लुहणू का खेल परिसर कांग्रेस सरकार में कई बार रहे मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है, मगर आउट फील्ड पर काम बचा हुआ है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। इनमें हमीरपुर के ट्रैक का तो हाल ही बहुत बुरा रहा है। भारतीय खेल प्राधिकरण का उत्कृष्ट प्रशिक्षण केन्द्र बनने के बाद अब सुधार हुआ है। धर्मशाला की तरह हमीरपुर में भी खिलाडियों के लिए पहचान पत्र बनाना होगा। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए। केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए।

तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडऩे का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा। तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। दिव्य हिमाचल द्वारा इस विषय पर कई बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। प्रदेश को भी हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी। तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई हैं। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं। यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है। ऊना में हाकी के लिए एस्ट्रोटर्फ बिछी हुई है, मगर उसकी तो पहले ही दुर्गति हो गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार का युवा सेवाएं एवं खेल विभाग अभी तक करोड़ों रुपए से बने इस खेल ढांचे के रखरखाव में नाकामयाब रहा है।

उसके पास न तो चौकीदार हैं और न ही मैदान कर्मचारी। पर्याप्त प्रशिक्षकों की बात तो बहुत दूर की बात है। क्या सरकार विभिन्न खेल संघों, पूर्व खिलाडियों व प्रशिक्षकों से इन सुविधाओं का उपयोग कराने के लिए खेल अकादमियों का गठन कराएगी। हिमाचल प्रदेश के कई पूर्व खिलाड़ी जो खेल आरक्षण से सरकारी नौकरी में हैं, अपनी ड्यूटी को ईमानदारी से करने के बाद सबेरे व शाम उभरते खिलाडियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

सीलबंद लिफाफे में सरकार के सुझाव मानने से SC ने किया इनकार, कमेटी के गठन पर फैसला सुरक्षित रखा

एनटीवी न्यूज

अदाणी मसले पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा है कि हम सीलबंद लिफाफे में केंद्र के सुझावों को स्वीकार नहीं करेंगे। हम इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करना चाहते हैं।

नई दिल्ली। शेयर बाजार के लिए नियामकीय उपायों को मजबूत करने के विशेषज्ञों के पैनल पर केंद्र के सुझाव को सीलबंद लिफाफे में मानने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। अदाणी मसले पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा है कि हम सीलबंद लिफाफे में केंद्र के सुझावों को स्वीकार नहीं करेंगे।

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ बोले- हम इस मामले में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करना चाहते हैं

हम इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करना चाहते हैं। अडानी-हिंडनबर्ग विवाद मसले पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने समिति की नियुक्ति से संबंधित मुद्दे पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीछ ने कहा कि वे केंद्र की ओर से सीलबंद कवर में दिए गए सुझाव को स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि वे (सुप्रीम कोर्ट) इस मामले में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखना चाहते हैं।

सॉलिसीटर जनरल ने अपना पक्ष रखते हुए कहा- हम चाहते हैं सच बाहर आए पर बाजार पर इसका असर न पड़े

सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार (17 फरवरी) को अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान सेबी की ओर पेश हुए सॉलिसीटर जनरल ने कमेटी के सदस्यों के नाम और उसके अधिकार पर जजों को सुझाव सौंपे। सॉलिसीटर जनरल ने कहा कि हम चाहते हैं कि इस मामले में सच बाहर आए पर बाजार पर इसका असर न पड़े। किसी पूर्व जज को निगरानी का जिम्मा सौंपने पर कोर्ट को फैसला लेना चाहिए। इस पर सीजेआई ने कहा कि आपने जो नाम सौंपे हैं, वह दूसरे पक्ष को न दिए गए तो ये पारदर्शिता नहीं होगी। हम इस मामले में पूरी पारदर्शिता चाहते हैं इसलिए, हम अपनी तरफ से कमेटी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम आदेश सुरक्षित रख रहे हैं।

अधिवक्ता विशाल तिवारी बोले- कंपनियां अधिक कीमत दिखा लेतीं हैं लोन, इसकी भी जांच हो

इससे पहले सुनवाई के दौरान वकील विशाल तिवारी ने कहा कि कॉरपोरेट्स अपने शेयर की अधिक कीमत दिखाकर लोन लेते हैं, इसकी भी जांच होनी चाहिए। वहीं वकील एमएल शर्मा की ओर से कहा गया कि शॉर्ट सेलिंग की भी जांच करवायी जानी चाहिए। इस पर सीजेआई ने पूछा कि आपने याचिका दाखिल की है तो बताइए कि शॉर्ट सेलर आखिर करता क्या है? एमएल शर्मा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि शार्ट सेलर्स का काम बिना डिलीवरी शेयर बेचना और मीडिया का इस्तेमाल कर भ्रम फैलाना है। इसपर जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि आपका मतलब है शार्ट सेलर्स मीडिया से जुड़े लोग होते हैं। इस पर एमएल शर्मा ने कहा कि जी नहीं, यह बाजार को प्रभावित कर मुनाफा बनाने वाले लोग हैं।

10 फरवरी को कोर्ट ने कहा था- निवेशकों के हितों की रक्षा जरूरी

इससे पहले शीर्ष अदालत ने 10 फरवरी को कहा था कि अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट की पृष्ठभूमि में बाजार में उतार-चढ़ाव से भारतीय निवेशकों के हितों की रक्षा करने की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र से कहा था कि वह नियामकीय तंत्र को मजबूत

करने के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेषज्ञों का एक पैनल गठित करने पर विचार करे। बता दें कि इस मामले में अब तक वकील एमएल शर्मा और विशाल तिवारी, कांग्रेस नेता जया ठाकुर और कार्यकर्ता मुकेश कुमार ने शीर्ष अदालत में चार जनहित याचिकाएं दायर की हैं। हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से अदाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर-मूल्य में हेरफेर सहित कई आरोप लगाए जाने के बाद शेयर बाजारों में गिरावट आई है।

अदाणी समूह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को बताया था झूठा

दूसरी तरफ अदाणी समूह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को झूठा बताते हुए उन्हें खारिज कर दिया है और कहा है कि वह सभी कानूनों और डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स का पालन करता है।

अदाणी-हिंडनबर्ग प्रकरण से जुड़े इन मामलों में सुप्रीम कोर्ट कर रही है सुनवाई

विशाल तिवारी बनाम केंद्र सरकार W.P.(C) No. 162/2023, मनोहर लाल शर्मा बनाम केंद्र सरकार W.P.(Crl.) No. 39/2023, अनामिका जायसवाल vs केंद्र सरकार, W.P.(C) No. 201/2023, डॉ. जया ठाकुर vs केंद्र सरकार W.P.(Crl.) No. 57/2023

प्रशांत भूषण ने एसआईटी या सीबीआई जांच की मांग की

एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट में पेश हुए वरीष्ठ अधिव्कता प्रशांत भूषण ने कहा कि हम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) या सीबीआई (सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो) की ओर से जांच कराने की मांग करते हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि यानी आपने मान लिया है कि कुछ गलत हुआ है। भूषण ने इसका जवाब देते हुए कहा कि अदाणी की कंपनियों के 75% से ज़्यादा शेयर खुद प्रमोटर्स या उनसे जुड़े लोगों के पास हैं। इसके कारणों की जांच होनी चाहिए। सीजेआई ने कहा कि आप अपनी ओर से सुझाव दीजिए।

क्या एलआईसी ने अदाणी के शेयरों की कीमत बढ़ाने में मदद की?

प्रशांत भूषण ने बेंच के समक्ष कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों पर लगे आरोपों की जांच होनी चाहिए। अदाणी के 75% से ज़्यादा शेयर खुद उनके पास क्यों हैं, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए। समूह के पैसे के स्रोतों को भी खंगाला जाना चाहिए। शेल कंपनियों से पैसे मिलने के आरोपों की जांच होनी चाहिए। भूषण ने साथ ही यह भी कहा कि नियामक व्यवस्था में भी सुधार और एलआईसी के निवेश की प्रक्रिया पर भी गौर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि एलआईसी ने अदाणी समूह के शेयरों की कीमत बढ़ाने में मदद की है या नहीं।

जांच में समिति में नहीं शामिल होंगे सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज, पीठ ने याचिकाकर्ताओं का सुझाव किया खारिज

जब भूषण ने समिति में शामिल किए जा सकने वाले न्यायाधीशों के नाम सुझाने का प्रयास किया तो पीठ ने उन्हें यह कहते हुए रोक दिया कि चूंकि वह केंद्र के सुझावों को स्वीकार नहीं कर रही इसलिए वह याचिकाकर्ताओं के सुझावों को भी स्वीकार नहीं कर सकती है। इसके बाद पीठ ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। पीठ ने निगरानी करने वाली समिति में उच्चतम न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश को शामिल करने के कुछ याचिकाकर्ताओं के सुझाव को भी खारिज कर दिया।

ब्रीफ न्यूज

दुनिया की हर मर्सिडीज कार का है भारत के साथ नाता, जानिए कंपनी के चेयरमैन ने क्यों कहा ऐसा!

लग्जरी कार बनाने वाली जर्मनी की कंपनी मर्सिडीज बेंज ने पिछले साल भारत में 15,822 गाड़ियां बेची थीं। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ओला कैलेनियस का कहना है कि कार इंडस्ट्री के लिए भारत बहुत अहम है। इसका भविष्य पूरी तरह भारत पर टिका है। इसमें अगले फेज का ग्रोथ और इनोवेशन भारत से आएगा।

नई दिल्ली: ऑटो सेक्टर (Auto Sector) में भारत की ताकत लगातार बढ़ रही है। भारत में बनी गाड़ियां दुनियाभर में धूम मचा रही हैं। साथ ही भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट बन गया है। उसने हाल में जापान को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। यही वजह है कि दुनिया की दिग्गज ऑटो कंपनियां भारत पर बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। जर्मनी की दिग्गज ऑटो कंडपनी मर्सिडीज बेंज के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन और सीईओ ओला कैलेनियस (Ola Kallenius) का कहना है कि दुनिया की कार इंडस्ट्री का भविष्य भारत पर टिका है। उन्होंने कहा कि भारत में जो टेक्नोलॉजी विकसित की जा रही है, उसका दुनियाभर में इस्तेमाल हो रहा है। दुनिया में जहां कहीं भी मर्सिडीज की कारें बिक रही हैं, उनमें भारत का टच है। मर्सिडीज की पहले गैर-जर्मन सीईओ और चेयरमैन कैलेनियस ने टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ इंटरव्यू में कहा कि कार इंडस्ट्री में अगले फेज की ग्रोथ और इनोवेशन के लिए भारत सबसे अहम है। कार इंडस्ट्री भविष्य भारत पर टिका है। उन्होंने कहा कि मर्सिडीज के लिए भारत दुनियाभर में सबसे तेजी से बढ़ रहे बाजारों में से एक है। मर्सिडीज भारत में प्रीमियम कार बनाने की शुरुआत करने वाली पहली कंपनी थी। भारत में पिछले साल करीब 38 लाख कारें बिकीं। इनमें से एक फीसदी अपर-प्रीमियम कैटगरी की कारें थीं। इस सेगमेंट में मर्सिडीज लीडर है। भारत लगातार समृद्ध हो रहा है और भविष्य भारत का है। इसका फायदा मर्सिडीज को भी मिलेगा।

हर तरफ भारत का जलवा

बेंगलूरु में मर्सिडीज का इनोवेशन सेंटर है। इसके बारे में कैलेनियस ने कहा कि कंपनी की कई नई टेक्नोलॉजी बेंगलूरु में डिजाइन की गई है। वहां शानदार काम हो रहा है। 26 साल पहले जब हमने भारत में एंट्री मारी थी तब ऑटो इंडस्ट्री में भारत का ज्यादा नाम नहीं था।

अलीबाबा ने पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची, 2.1 करोड़ शेयरों की बिकवाली के लिए हुई ब्लॉक डील

अली बाबा ने पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) में 3.4 फीसदी इक्विटी (यानी लगभग 2.1 करोड़ शेयर) के लिए शुक्रवार को एक ब्लॉक डील की है। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि चीन की बहुराष्ट्रीय कंपनी अलीबाबा ने आज की ब्लॉक डील में पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है।

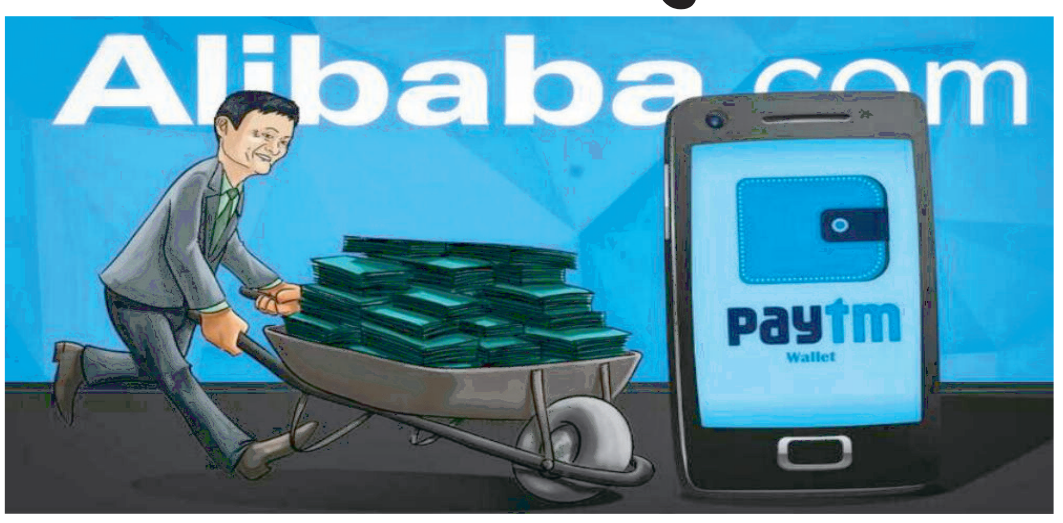

नई दिल्ली। चीन के उद्योगपति जैक मा की कंपनी अलीबाबा ने पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) में 3.4 फीसदी इक्विटी (यानी लगभग 2.1 करोड़ शेयर) के लिए शुक्रवार को एक ब्लॉक डील की है। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि चीन की बहुराष्ट्रीय कंपनी अलीबाबा ने आज की ब्लॉक डील में पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। इस बिक्री के साथ अलीबाबा अब पेटीएम में स्टेकहोल्डर नहीं रह गई है। कंपनी ने जनवरी में पेटीएम में अपनी 6.26 प्रतिशत हिस्सेदारी में से 3.1 प्रतिशत बेच दी है। इस ताजा सौदे से अलीबाबा का भारत से बाहर निकलने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। अली बाबा ने इससे पहले जोमैटो और बिगबास्केट में अपनी हिस्सेदारी बेच दी थी। यह खबर बाजार के लिए अच्छी साबित हो सकती है कि क्योंकि इससे पेटीएम में चीनी हिस्सेदारी समाप्त हो जाएगी।

आसमान पर IndiGo का कब्जा, बना हवाई यात्रियों की पहली पसंद, जानिए एयर इंडिया किस नंबर पर

फ्लाइट से सफर करने वाले लोगों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में 14 फीसदी की तेजी आ गई। वहीं साल 2021 के मुकाबले इस साल यात्रियों की संख्या में 47 फीसदी की उछाल देखने को मिली है।

नई दिल्ली: नई दिल्ली: फ्लाइट से ससफर करने वाले यात्रियों की संख्या में जबरदस्त तेजी आई है। इस साल हवाई जहाज से सफर करने वालों की संख्या में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ दिसंबर में इसमें 14 फीसदी का उछाल आया है। द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से दिसंबर 2022 में सभी एयरलाइंस के यात्रियों की संख्या नें बढ़ोतरी हुई है। ये संख्या 123 मिलियन तक पहुंच गई। पिछले साल ये आंकड़ा 83 मिलियन था।

नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में घरेलू विमान यात्रियों की संख्या सालाना आधार पर 13.69 फीसदी बढ़ी है। ये संख्या 127.35 लाख पर पहुंच गई है। इसका सबसे ज्यादा लाभ इंडिगो (IndiGo) को हुआ है। इंडिगो से 69.97 लाख यात्रियों के साथ उड़ान भरी है। इंडिगो ने घरेलू विमानन क्षेत्र में 54.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दिसंबर के दौरान अन्य एयरलाइनों से कहीं आगे उड़ान भरी, जबकि विस्तारा और एयर इंडिया ने 9.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। विमानन नियामक डीजीसीए के दिसंबर के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस महीने के दौरान इंडिगो में 69.97 लाख यात्रियों ने हवाई सफर किया जबकि विस्तारा में 11.70 लाख और एयर इंडिया में 11.71 लाख यात्रियों ने सफर किया। 9.51 लाख हवाई यात्रियों के साथ गो एयर की दिसंबर के दौरान बाजार हिस्सेदारी 7.5 प्रतिशत थी। वर्ष 2022 में इंडिगो ने 690.93 लाख यात्रियों को लेकर 56.1 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि विस्तारा की 113.59 लाख यात्रियों के साथ 9.2 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी थी, और एयर इंडिया की 107.74 लाख हवाई यात्रियों के साथ 8.7 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी थी। गुरुवार को जारी डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2022 महीने के लिए अनुसूचित घरेलू एयरलाइंस की कुल रद्दीकरण दर 0.79 प्रतिशत रही है। रद्दीकरण के मुख्य कारणों की पहचान मौसम, तकनीकी या परिचालन के रूप में की गई है। दिसंबर के दौरान सबसे अधिक 81.1 प्रतिशत उड़ानें मौसम संबंधी कारणों से और 7.8 प्रतिशत तकनीकी कारणों से रद्द की गईं। घरेलू हवाई यातायात में वृद्धि जारी है, जनवरी-दिसंबर 2022 के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा ले जाए गए यात्री पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 8.38 करोड़ की तुलना में 12.32 करोड़ थे, जिससे 47.05 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और 13.69 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई। डीजीसीए द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में दिसंबर के दौरान घरेलू एयरलाइंस द्वारा लगभग 1.27 करोड़ यात्रियों को ले जाया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान यह संख्या 1.12 करोड़ थी।

मझगांव डॉक, Paytm, SBI, IGL और Tata Motors के शेयर उछले, जानिए कहां पहुंच गया

मुंबई: निफ्टी 50 इंडेक्स (Nifty 50 Index) पिछले सत्र में 18,107.85 अंक पर बंद हुआ था और आज यह पॉजिटिव नोट के साथ 18,115.6 अंक पर खुला। कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद ऐसा हुआ। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका और बेरोजगारी का साप्ताहिक आंकड़ा उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इससे अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। नैसडैक कंपोजिट (Nasdaq Composite) में 0.96%, डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज (Dow Jones Industrial Average) और एसएंडपी 500 (S&P 500) में 0.76%

गिरावट आई।

सुबह 10:40 बजे निफ्टी 50 इंडेक्स 16.75 अंक यानी 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 18,124.6 अंक पर ट्रेड कर रहा था। दूसरी ओर ब्रॉडर मार्केट इंडेक्सेज का प्रदर्शन भी फ्रंटलाइन इंडेक्सेज के मुताबिक रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स (Nifty Mid-Cap 100 index) 0.03% फीसदी गिरावट आई है जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स (Nifty Small-Cap 100 index) 0.02% की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। 19 जनवरी के आंकड़ों को मुताबिक एफआईआई नेट बायर्स रहे और डीआईआई नेट सेलर्स रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 399.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 128.96 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। यह रही इन शेयरों की लिस्ट जो प्राइस वॉल्यूम ब्रेकआउट के दौर से गुजर रहे हैं...

बाजार में फिर बिकवाली हावी, सेंसेक्स 150 अंक लुढ़का, निफ्टी 17900 के नीचे

अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों में बढ़ोतरी और महंगाई के बढ़ते आकड़ों के कारण निवेशक चिंता में दिखे। अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में एक बार फिर गिरावट दिख रही है। शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 82.63 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहा है।

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में फिर बिकवाली हावी हो गई है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 150 अंक लुढ़का जबकि निफ्टी फिसलकर 17900 के नीचे पहुंच गया है। शुरूआती कारोबार में IT सेक्टर के शेयरों में कमजोरी दिख रही है। इससे पहले वैश्विक बाजार भी कमजोरी के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों में बढ़ोतरी और महंगाई के बढ़ते आकड़ों के कारण निवेशक चिंता में दिखे। अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में एक बार फिर गिरावट दिख रही है। शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 82.63 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहा है।

शुक्रवार को शेयर बाजार में सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल

आईटी सेक्टर के शेयरों पर दिखा दबाव

शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर

अदाणी समूह के चार कंपनियों के भारांक में कटौती के बाद फिसले शेयर

अमेरिकी मंदी की आशंका और सूचकांक प्रदाता एमएससीआई (MSCI) की ओर से अदाणी समूह की चार कंपनियों के भारांक में कटौती करने की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंदी की धारणा दिखी। शुक्रवार को भारतीय बाजार में गिरावट का बड़ा कारण वैश्विक बाजार का कमजोर प्रदर्शन भी रहा।

अमेरिकी बाजार के 13 में से 11 सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका में वृद्धि दर की चिंताओं के बीच आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में 0.8% प्रतिशत तक की गिरावट दिखी।

फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की की ओर से महंगाई पर टिप्पणी के बाद वॉल स्ट्रीट इक्विटीज कमजोरी के साथ बंद हुए। फेड के अधिकारियों ने कहा है कि महंगाई दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अपनी चपेट में लिए हुए है।

अमेरिका को सता रही महंगाई की चिंता, जारी रह सकती है ब्याज दरों में वृद्धि

रिचमंड फेड के अध्यक्ष थॉमस बार्किन ने कहा कि मुद्रास्फीति वास्तव में कम नहीं हो रही थी और अब तक देखी गई गिरावट को कुछ गिरती वस्तुओं की कीमतों के कारण है, जिसका अर्थ है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक लंबे समय तक उच्च ब्याज दरों को बनाए रख सकता है।

एशियाई बाजारों में भी मंदी के संकेत हैं, जिसमें जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का एमएससीआई का व्यापक सूचकांक 19.1% फिसल गया है। वित्तीय सूचकांक प्रदाता एमएससीआई की ओर से अदाणी समूह की चार कंपनियों के भारांक में कटौती करने की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में चिंता बढ़ गई है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से और बिकवाली हो सकती है और शेयरों के भाव और फिसल सकते हैं।

अदाणी समूह के अधिकांश शेयरों में शुक्रवार के सत्र में गिरावट जारी रही। दूसरी ओर जेफरीज की ओर से अपने प्रमुख पोर्टफोलियो में कंपनी पर निवेश बढ़ाने के बाद बजाज फाइनेंस के शेयरों में 12% की तेजी आई।

निवेशकों को सोमवार को आने वाले जनवरी के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों का भी इंतजार रहेगा। अर्थशास्त्रियों के एक पोल से पता चला है कि भारत की वार्षिक खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 6 महीने में सबसे कम बढ़ी। जनवरी में यह आरबीआई के सहिष्णुता बैंड की ऊपरी सीमा छह प्रतिशत के भीतर रही।

'अगर आपके पास छिपाने को कुछ नहीं तो जांच होने दें', अदाणी मामले पर सचिन पायलट का केंद्र पर हमला

एनटीवी न्यूज

अदाणी मामले पर सचिन पायलट ने कहा कि जेपीसी से क्यों कतराती है आज की सरकार? अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो जांच होने दें। भाजपा ने हिंडनबर्ग शोध पत्रों द्वारा लगाए गए किसी भी आरोप का खंडन नहीं किया है।

बेंगलुरु। अदाणी मामले में केंद्र सरकार को घेरने के लिए विपक्षी नेता आए दिन हमलावर होते जा रहे हैं। संसद में राहुल गांधी के सवालों से मिली संजीवनी के बाद कांग्रेस के कई नेता अब अदाणी मामले पर प्रधानमंत्री मोदी को ही सीधे टारगेट कर रहे हैं। इसी क्रम में आज कांग्रेस नेता सचिन पायलट कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। पायलट ने कहा कि संसद में जब हमारे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अडानी स्टॉक क्रैश जैसे गंभीर मुद्दे को उठाया तो उन्होंने उसे एक्सपंज कर दिया। संसद की एक मर्यादा होती है कि क्या एक्सपंज हो सकता है और क्या नहीं?

पायलट ने पीएम मोदी पर बोला हमला

सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा के पास बहुमत है इसका मतलब ये नहीं कि वे प्रश्नों को एक्सपंज कर देंगे। प्रधानमंत्री ने भी शेयर मार्केट क्रैश, जनता के पैसों का दुरूपयोग, सरकारी संपत्ति को निजी हाथों में देना आदि पर कोई जवाब नहीं दिया।

जेपीसी से क्यों कतराती है आज की सरकार?: सचिन पायलट

सचिन पायलट ने कहा कि जेपीसी से क्यों कतराती है आज की सरकार? अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो जांच होने दें। भाजपा ने हिंडनबर्ग शोध पत्रों द्वारा लगाए गए किसी भी आरोप का खंडन नहीं किया है। इससे भी अजीब बात यह है कि यह सरकार यह जांच करने के लिए भी तैयार नहीं है कि यह पैसा कहां से आ रहा है, चाहे वह चीन या पाकिस्तान का पैसा हो। हम जेपीसी जांच या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली जांच की मांग करते हैं तो सरकार साफ इनकार कर देती है। यह संभव है कि निवेश किया गया पैसा चीन या पाकिस्तान का हो।

अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को झटका

अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई हुई। यहां केंद्र सरकार को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसीटर जनरल द्वारा कमेटी के सदस्यों के नामों के सुझाव को सीलबंद लिफाफा में लेने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि हम आपकी ओर से सीलबंद लिफाफे को स्वीकार नहीं करेंगे। क्योंकि हम पूरी पारदर्शिता बनाए रखना चाहते हैं।

कांग्रेस नेता अजय माकन ने मोदी सरकार को घेरा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने शुक्रवार को पूछा कि मोदी सरकार अदाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाने से डर क्यों रही है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हवाई अड्डों और बंदरगाहों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को एक कंपनी को सौंपने का मुद्दा देश की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा था। अदाणी समूह के साथ भाजपा शासित केंद्र के सौदे से क्रोनी कैपिटलिज्म की बू आती है और सरकार द्वारा प्रायोजित निजी एकाधिकार का निर्माण होता है। उन्होंने कहा और दावा किया कि अदाणी जैसी कंपनी को हवाई अड्डों और बंदरगाहों का नियंत्रण देना मारे देश के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अदाणी समूह देश की बंदरगाह क्षमता का 30 प्रतिशत और कंटेनर क्षमता का 40 प्रतिशत उपयोग करता है। कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार से पूछना चाहती है कि वह इस मुद्दे पर जेपीसी बनाने से क्यों डरती है। अगर तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार (कांग्रेस) हर्षद मेहता घोटाले के लिए जेपीसी बना सकती थी, और केतन पारेख के लिए अटल बिहारी वाजपेयी (बीजेपी) जेपीसी बना सकते हैं तो आप जेपीसी (अडानी स्टॉक रूट के लिए) क्यों नहीं स्थापित कर रहे हैं?

ब्रीफ न्यूज

शौर्य चक्र की राशि में भेदभाव, हरियाणा सरकार CAPF को नहीं मानती 'भारत संघ के सशस्त्र बल'

दिल्ली हाई कोर्ट ने भले ही 11 जनवरी को दिए अपने फैसले में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों 'सीएपीएफ' को 'भारत संघ के सशस्त्र बल' माना है, लेकिन हरियाणा सरकार ऐसा नहीं मानती। इसी वजह से सीआरपीएफ के शौर्य चक्र विजेता, सहायक कमांडेंट जिले सिंह को हरियाणा सरकार से तय सम्मान राशि नहीं मिल रही है। अगर यही शौर्य चक्र, सेना में किसी को मिलता है, तो उसे बिना कोई देरी किए, 31 लाख रुपये दे दिए जाते हैं। जिले सिंह को महज सात लाख रुपये दिए गए हैं। वे लंबे समय से अपनी बकाया राशि के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सीआरपीएफ मुख्यालय ने भी इस बाबत हरियाणा सरकार को लिखा है। सूत्रों का कहना है कि इस बारे में हरियाणा सरकार ने दूसरे प्रदेशों से यह जानकारी मांगी है कि उनके यहां शौर्य चक्र विजेता को कितनी राशि मिलती है। उसके बाद ही दोबारा से इस केस की फाइल पर विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय लेगा अंतिम निर्णय

यह मामला गत वर्ष से ही फाइलों में है। सितंबर 2022 में इस बाबत मुख्य सचिव, सैनिक/अर्धसैनिक कल्याण विभाग, हरियाणा सरकार के साथ पत्राचार हुआ था। वहां से जानकारी मिली कि यह मामला मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। हरियाणा सरकार के सूत्र बताते हैं, इस पर विचार हो रहा है। दूसरे राज्यों में शौर्य चक्र विजेता को क्या कुछ मिलता है, वह जानकारी एकत्रित की जा रही है। हरियाणा सरकार इस केस को लेकर गंभीर है। इससे पहले भी सरकार ने सीएपीएफ डेथ के मामले में पचास लाख रुपये देने का प्रावधान किया है। इस केस के निपटारे में समय लग सकता है। हालांकि इस बाबत कोई अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा लिया जाएगा।

जिले सिंह को महज सात लाख रुपये दिए गए

हरियाणा सरकार द्वारा गुरुग्राम जिला निवासी, सीआरपीएफ के शौर्य चक्र विजेता जिले सिंह को महज सात लाख रुपये दिए गए हैं। जिले सिंह ने 2017 में अपनी टीम के साथ लेथपोरा के सीआरपीएफ कैंप पर हुए हमले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को मार गिराया था। दहशतगर्दों का खात्मा और अपने 12 साथियों की रक्षा करने के लिए उन्हें 'शौर्य' चक्र प्रदान किया गया था। सहायक कमांडेंट जिले सिंह ने दक्षिण कश्मीर रेंज में बतौर क्यूएटी ऑप्स कमांडर, पांच साल तक ड्यूटी की है। दो बार उनका कार्यकाल बढ़ाया गया। उन्होंने आतंकियों का खात्मा करने वाले कई बड़े अभियानों में हिस्सा लिया है। 2017 में सीआरपीएफ के लेथपोरा कैंप पर जब आतंकियों ने हमला किया, तो जिले सिंह और उनकी टीम ने बहादुरी से उनका मुकाबला किया।

अमित शाह बोले- केंद्र की सुविधाओं का लाभ नहीं उठाने दे रहे मेघालय के CM, सरकार बदलें

एनटीवी संवाददाता

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, असम, केंद्र सरकार की सभी सुविधाओं का लाभ उठा रहा है। लेकिन, ये सुविधाएं सिर्फ असम के लिए ही नहीं बल्कि मेघालय के लिए भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मेघालय के मुख्यमंत्री यहां के लोगों को केंद्र की सुविधाओं का लाभ नहीं उठाने दे रहे हैं।

शिलॉन्ग। मेघालय की साठ सदस्यीय विधानसभा के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है। इससे पहले सियासी दलों ने नेताओं एक-दूसरे पर हमले तेज हो गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गारो हिल्स के डालु में मेघालय सरकार पर जमकर निशाना साधा।

शाह ने कहा, असम, केंद्र सरकार की सभी सुविधाओं का लाभ उठा रहा है। लेकिन, ये सुविधाएं सिर्फ असम के लिए ही नहीं बल्कि मेघालय के लिए भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मेघालय के मुख्यमंत्री यहां के लोगों को केंद्र की सुविधाओं का लाभ नहीं उठाने दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, यदि आप राज्य का विकास करना चाहते हैं और सभी सुविधाओं का लाभ उठाना चाहते हैं, तो यहां की सरकार को बदलें। भाजपा को वोट दें और उसके उम्मीदवार को जिताएं। केंद्र सरकार की ओर से सभी सुविधाएं सभी को दी जाएंगी।

गृहमंत्री शाह ने कहा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर में लोगों को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी मिल रही है। लेकिन मेघालय में भ्रष्टाचार के बिना कोई सरकारी नौकरी नहीं है। हमने उत्तर-पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन यहां कोई उचित राजमार्ग नहीं बनाया गया।

'मोदी और भारत की सफलता कुछ लोगों को रास नहीं आ रही', बीबीसी मामले पर भड़के ब्रिटिश सांसद लॉर्ड

ब्रिटिश सांसद रामी रेंजर ने कहा कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री न केवल दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के दो बार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए पीएम का अपमान करती है, बल्कि न्यायपालिका और संसद का भी अपमान करती है।

ब्रिटेन की संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के प्रमुख सदस्य लॉर्ड रामी रेंजर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी डॉक्यूमेंट्री सीरीज को लेकर बीबीसी(BBC)के खिलाफ एक बार फिर से जोरदार हमला बोला है। रामी रेंजर ने कहा कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री दुर्भाग्यपूर्ण, गलत समय पर और गलत सूचना देने वाली है, जो कुछ मुट्ठी भर लोगों पर आधारित है जो कि मोदी विरोधी हैं। उनके पास पीएम मोदी को बदनाम करने के अलावा कोई काम नहीं है। लेकिन बीबीसी के झूठे प्रोपेगैंडा के बावजूद पीएम मोदी ही सही साबित हुए और दो बार जीतकर आए।

मोदी और भारत की सफलता इन लोगों को रास नहीं आ रही

लॉर्ड रामी रेंजर ने कहा कि मोदी और भारत की सफलता इन लोगों को रास नहीं आ रही है। इस बार वह भारत नहीं हैं इसलिए कड़ी प्रतिक्रिया हुई। बीबीसी को दो महान देशों के संबंधों के बीच के कार्यों में बाधा नहीं डालनी चाहिए। हम बहुत कुछ साझा करते हैं और किसी और की तुलना में एक दूसरे के बहुत करीब हैं।

डॉक्यूमेंट्री में क्या है, जिस पर विवाद हो रहा है?

ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर बीबीसी ने India: The Modi Question शीर्षक से दो पार्ट में एक नई सीरीज बनाई है। इसमें पीएम मोदी के शुरुआती दौर के राजनीतिक सफर पर बातें की गईं हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ उनके जुड़ाव, भाजपा में बढ़ते कद और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति की चर्चा भी इसमें की गई है। मोदी के मुख्यमंत्री रहते गुजरात में हुए दंगों का भी इसमें जिक्र है। इस हिस्से में गुजरात दंगों में पीएम मोदी की कथित भूमिका की बात कही गई है। इसी को लेकर विवाद हो रहा है।

PM मोदी पर बनी BBC डॉक्यूमेंट्री को सरकार ने किया बैन

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वीडियो को यूट्यूब और ट्विटर पर ब्लॉक कर दिया है जिसमें उनकी आलोचना की गई है। यह वीडियो BBC की एक डॉक्यूमेंट्री का क्लिप है। दरअसल बीबीसी ने India: The Modi Question नाम के एक डॉक्यूमेंट्री बनाई है जिसके पहले एपिसोड का एक क्लिप वायरल हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने वीडियो को ब्लॉक करने के लिए यूट्यूब और ट्विटर को आदेश दिया है। इस वीडियो को लेकर करीब 50 ट्वीट किए गए हैं, उन्हें भी ब्लॉक कर दिया गया है। यह आदेश IT Rules 2021 की आपात शक्तियों के तहत दिया गया है। यह डॉक्यूमेंट्री गुजरात दंगा 2002 पर आधारित है। इस वायरल हो रहे वीडियो को पीएम मोदी के खिलाफ प्रोपेगेंडा बताया गया है।

ट्विटर ने सत्येंद्र जैन का ब्लूटिक हटाया, भाजपा बोली- अब तो मंत्रिमंडल से हटा दो

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली भाजपा नेता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल को सत्येंद्र जैन को अपने मंत्रिमंडल से तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए क्योंकि देश में विभिन्न सरकारों में हजारों मंत्री हैं, लेकिन ब्लू टिक केवल सत्येंद्र जैन का हटाया गया है...

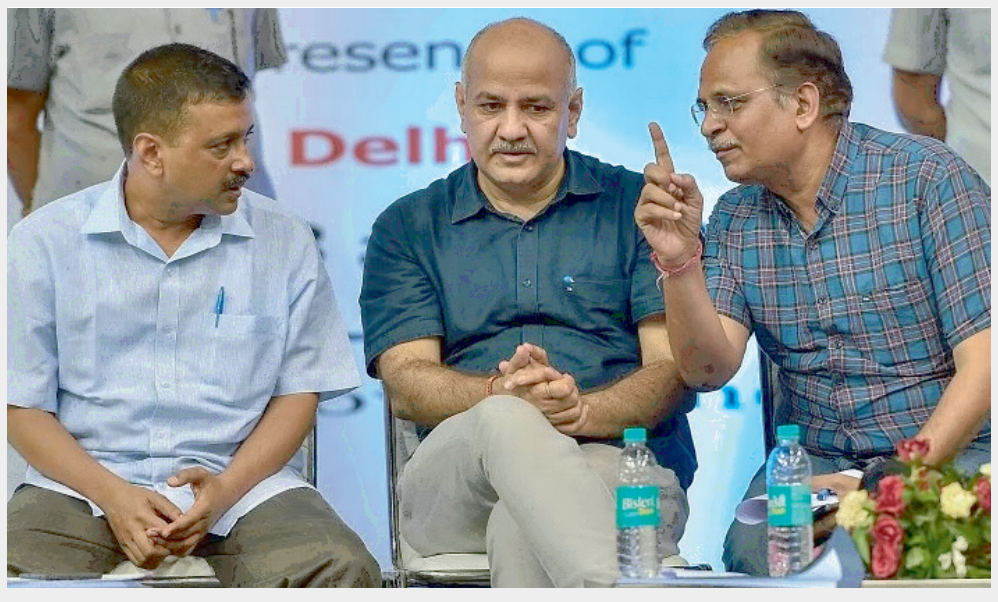

नई दिल्ली। ट्विटर ने दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन का ब्लूटिक हटा दिया है। ट्विटर ने यह कार्रवाई अपनी उस नीति में बदलाव के कारण किया है, जिसमें ब्लूटिक लेने के लिए उपभोक्ता को हर माह एक निर्धारित शुल्क चुकाना पड़ेगा। ट्विटर ने ऐसे उपभोक्ताओं का ब्लूटिक भी हटाया है, जिनकी गतिविधियां किसी कारण से कंपनी की नीतियों के अनुसार नहीं पाई गई हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सत्येंद्र जैन का ब्लूटिक किस कारण से हटाया गया है, लेकिन इसने भाजपा को आम आदमी पार्टी पर हमला करने का एक अवसर अवश्य उपलब्ध करा दिया है।

दिल्ली भाजपा नेता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल को सत्येंद्र जैन को अपने मंत्रिमंडल से तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए क्योंकि जैन का ब्लूटिक उनकी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के कारण हटाया गया है। देश में विभिन्न सरकारों में हजारों मंत्री हैं, लेकिन ब्लू टिक केवल सत्येंद्र जैन का हटाया गया है। यह साबित करता है कि ट्विटर ने सत्येंद्र जैन की गतिविधियों को संदिग्ध माना है।

भाजपा नेता ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर आपराधिक मामले में गत 30 मई से तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी नेता के कारण दिल्ली सरकार और दिल्ली की जनता की किरकिरी हुई है। भाजपा पहले से ही जैन को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रही है, लेकिन राजनीतिक कारणों से अरविंद केजरीवाल ने उन्हें अब तक मंत्रिमंडल से नहीं हटाया है। उन्होंने कहा कि ट्विटर की कार्रवाई के बाद अब केजरीवाल को सत्येंद्र जैन को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए।

भारत जोड़ो यात्रा के बाद बढ़ी राहुल गांधी की लोकप्रियता? कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने बोलने के लिए बुलाया

भारत जोड़ो यात्रा के बाद बढ़ी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकप्रियता? कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने लोकसभा सांसद राहुल गांधी को भेजा न्योता। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने राहुल गांधी को भारत-चीन संबंध, डाटा और लोकतंत्र पर बोलने के लिए बुलाया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से लोकसभा सांसद राहुल गांधी इस महीने के आखिर में ब्रिटेन जा सकते हैं। दरअसल, राहुल गांधी को कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से भारत चीन संबंधों के ऊपर बोलने के लिए न्योता दिया गया है और राहुल गांधी ने बताया कि इसके लिए वह तैयार हैं और वह कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में जाकर भारत-चीन संबंधों पर बातचीत करेंगे। इसके साथ ही डाटा और लोकतंत्र पर बोलने के लिए बुलाया है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर इस बारे में लोगों को बताया।